खास बात

मौत अगर आसान नहीं, जीना भी आसान नहीं। मौत को मुश्किल जानने वालों, जीना मौत से मुश्किल है ।।

- जगन्नाथ 'आजाद'

।। श्री हरि शरणम् ।।

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 13 अंक - 208

रायसेन

रविवार, 25 जनवरी 2026

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

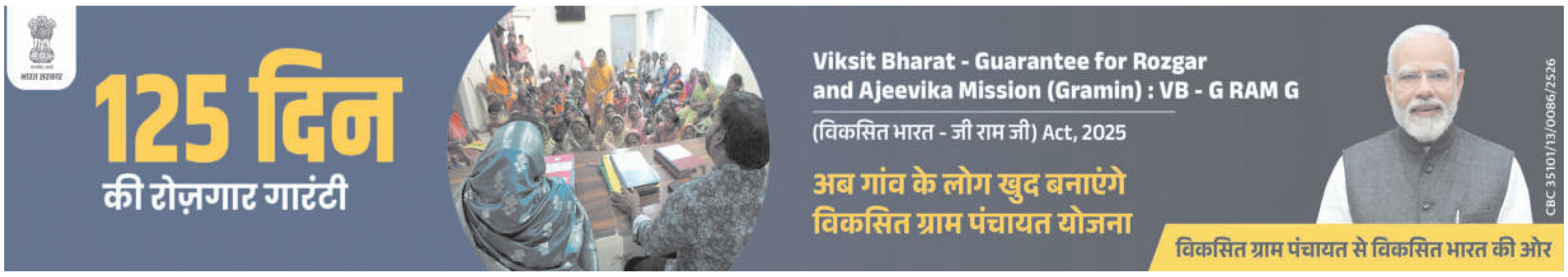

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आज राष्ट्र को संबोधित करेंगी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को राष्ट्र को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति भवन की ओर से शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के अनुसार राष्ट्रपति का संबोधन रविवार को शाम 07 बजे से आकाशवाणी के समूचे राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रसारित किया जाएगा तथा दूरदर्शन के सभी चैनलों पर इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा। संबोधन पहले हिन्दी में प्रसारित होगा, जिसके बाद अंग्रेज़ी संस्करण का प्रसारण किया जाएगा। दूरदर्शन पर हिन्दी और अंग्रेजी प्रसारण के बाद क्षेत्रीय चैनलों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में भी राष्ट्रपति का संबोधन प्रसारित किया जाएगा।

कुदरत का करिश्मा: देसी गाय ने दिया जुड़वा बच्चों को जन्म, दुर्लभ संयोग देख ग्रामीण हैरान

सागर। सागर जिले से एक दुर्लभ और सुखद खबर सामने आई है। केसली विकासखंड के सहजपुर गांव में एक देसी गाय ने जुड़वा बच्चों (बछड़ा और बछिया) को जन्म दिया है। गोवंश में इस तरह का प्रसव लाखों में एक माना जाता है, जिसे लेकर पूरे क्षेत्र में कौतूहल और खुशी का माहौल है। पशु विशेषज्ञों के अनुसार, गायों में जुड़वा बच्चों का जन्म, विशेषकर 'बछड़ा और बछिया' का एक साथ होना, एक अत्यंत दुर्लभ स्थिति है।

अंतर्मना उवाच

खुद को खुश रखने के तारीके खोजें.. दुःख परेशानी चिंता तो खुद आपको खोज लेगी..!

*परमात्मा को नित्य धन्यवाद दो जो उसने आपको इतना प्यारा शरीर, मन, बुद्धि और सोच दी, अन्यथः इसके बिना आपकी जिंदगी कैसी होती..? इसलिए **उससे शिकायत मत करो जिसने जीने के लिए सब कुछ दिया। जीवन को हम ही नहीं जी पा रहे, तो उसमे परमात्मा का क्या दोष..? जैसे -***

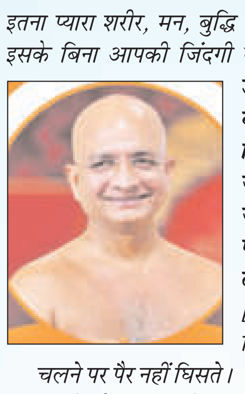

[1] टायर चलने पर घिसते हैं, जीवन भर चलने पर पैर नहीं घिसते।

[2] शरीर में 75% पानी भरा है, फिर भी एक बूंद का लीकेज नहीं है।

[3] कोई भी वस्तु बिना सहारे खड़ी नहीं हो सकती, लेकिन यह शरीर खुद का बैलेंस बनाकर चलता है।

[4] कोई भी बैटरी बिना चार्जिंग के नहीं चलती, लेकिन हृदय जन्म से लेकर मृत्यु तक बिना रुके धड़कता है।

[5] कोई पंप जीवन भर नहीं चल सकता, लेकिन रक्तचाप जीवन की अंतिम स्वांस तक बिना रुके चलता रहता है।

[6] दुनिया में सबसे महंगे कैमरे भी सीमित है, लेकिन आंखे हजारों मेगापिक्सल की गुणवत्ता में हर दृश्य को कैद कर सकती है।

[7] कोई भी लैब हर स्वाद का टेस्ट नहीं बता सकती, लेकिन जीभ बिना किसी उपकरण के हजारों स्वाद पहचान लेती है।

[8] सबसे एडवांस्ड सेंसर भी सीमित होते हैं, लेकिन शरीर [त्वचा] हल्की से हल्की संवेदना को महसूस कर सकती है।

[9] कोई भी यंत्र सभी ध्वनि नहीं निकाल सकता, लेकिन कंठ से हजारों फ्रीक्वेंसी की आवाजें पैदा हो सकती है।

[10] कोई भी डिवाइस सभी तरह की ध्वनियों को डिकोड नहीं कर सकती, लेकिन कान हर ध्वनि को समझकर अर्थ निकाल लेते हैं।

*इसलिए **परमात्मा प्रदत्त मनुष्य जीवन के उपहार का जीते जी उपहास मत होने देना, अन्यथः फिर भटकना पड़ेगा 83 लाख 99 हजार 9 सौ 99 योनियो में...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

सीएम ने सशुल्क वरिष्ठजन निवास संध्या छाया का लोकार्पण करते हुए कहा

वृद्धों की सेवा व ओल्ड एज होम की स्थापना के लिए सरकार ने समाज को साथ जोड़ा

- **मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 54.52 लाख पेंशन हितग्राहियों को 327.15 करोड़ ट्रांसफर किए**

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश-प्रदेश में विकास का अर्थ केवल अधोसंरचना निर्माण नहीं है, विकसित राष्ट्र के लिए, समाज के सभी वर्गों को बेहतर और सुरक्षित जीवन जीने के अवसर उपलब्ध कराना भी विकास है और यह राज्य सरकार का सर्वोच्च दायित्व भी है। राज्य सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और वृद्धजनों की सेवा के लिए संकल्पित है। राजधानी में वरिष्ठजनों को परिवार जैसा वातावरण देने के लिए सेवा भारती के माध्यम से इस सर्व-सुविधायुक्त सशुल्क वरिष्ठजन निवास की शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए हर कदम पर उनके साथ है। राज्य सरकार ने वृद्धजनों की सेवा और 'ओल्ड एज होम' की स्थापना के लिए समाज को साथ जोड़ा है। राज्य सरकार दिव्यांगजन को भी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रोत्साहित कर उनमें क्षमताएं विकसित करने का प्रयास कर रही है। दिव्यांगजनों के पास अद्भुत बौद्धिक क्षमता होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नव निर्मित सशुल्क वृद्धाश्रम 'संध्या छाया' के लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा पत्रकार कॉलोनी लिंक रोड नं. 3 पर निर्मित सर्व सुविधायुक्त वृद्धाश्रम में आयोजित कार्यक्रम का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

सीएम ने पीपीपी मोड पर बने 'संध्या छाया' ओल्ड एज होम का शुभारंभ कर अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां रह रहे एक दम्पत्ति का अभिवादन कर स्वागत भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्यस्तरीय दिव्यांगजन स्पर्श मेला-2026 में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कलाकारों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कलाकारों से संवाद कर उन्हें प्रोत्साहित भी किया। सीएम ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में 54.52 लाख से अधिक पेंशन हितग्राहियों को 327.15 करोड़ रूपये से अधिक राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्यस्तरीय दिव्यांगजन स्पर्श मेला-2026 में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कारों का वितरण भी किया।

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को सभी क्षेत्रों में विश्व का सर्वश्रेष्ठ देश बनाने का बीड़ा उठाया है। हमारा देश गौरवशाली और समृद्ध विरासत का सभी प्रकार से संरक्षण करते हुए निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है।

बेटियां हमारी संस्कृति, संवेदना और भविष्य की आधारशिलाः सीएम

भोपाल। आज यानि शनिवार को राष्ट्रीय बालिका दिवस है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' पर प्रदेश एवं देश की समस्त बेटियों के सुखद, समृद्ध और मंगलमय जीवन की कामना करते हुए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर अपने शुभकामना संदेश में लिखा- राष्ट्रीय बालिका दिवस की सभी बेटियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। 'बेटियां' हमारी संस्कृति, संवेदना और भविष्य की आधारशिला हैं। शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर पाकर वे समाज और राष्ट्र को नई दिशा देती हैं। मध्य प्रदेश सरकार हर बेटी को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए संकल्पित है, ताकि वह आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को पूरा करें।

सीएम आज उज्जैन को देंगे विकास की सौगातें

भोपाल। सीएम डॉ. मोहन यादव आज उज्जैन में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे और विकास की अनेक सौगातें देंगे। जनसंपर्क अधिकारी क्रांतिदीप अलूने ने शनिवार को बताया कि सीएम उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा आगर रोड़ स्थित अटल परिसर फाजलपुरा में आधुनिक और बहुउद्देशीय खेल एवं मनोरंजन सुविधाओं से युक्त स्पोर्टस कॉम्पलेक्स का लोकार्पण करेंगे। एक ही स्थान पर खेल एवं मनोरंजन की सुविधाओं से सुसज्जित स्पोर्टस कॉम्पलेक्स 28 करोड़ 31 लाख रुपये से निर्मित किया गया है। इसके साथ ही आरडी गार्गी मेडिकल कॉलेज के नव निर्मित ऑडिटोरियम एवं कन्वेंशन सेंटर का लोकार्पण कर मेडिकल कॉलेज की रजत जयंती समारोह में शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले में 61 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंप कर कहा, यह राष्ट्र निर्माण का निमंत्रण

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को 18वें रोजगार मेले में विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में चयनित 61 हजार से अधिक युवाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि नया साल युवाओं के जीवन में खुशियों का नया अध्याय लेकर आया है। यह नियुक्ति पत्र केवल नौकरी का दस्तावेज नहीं बल्कि विकसित भारत के निर्माण के लिए एक 'संकल्प पत्र' है।

पीएम ने कहा कि आज देश के 61 हजार से अधिक युवा अपने जीवन की नई शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की सेवा में शामिल होना, राष्ट्रसेवा और संविधान के प्रति जिम्मेदारियों को निभाने का अवसर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समय युवाओं को संविधान से जुड़ने और अपने कर्तव्यों को समझने का है। पीएम ने अपने संबोधन में जनवरी माह के राष्ट्रीय महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि देश इस समय गणतंत्र पर्व के वातावरण में है। 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर पराक्रम दिवस मनाया गया, 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस है। उन्होंने बताया कि इसी कालखंड में 'जन गण मन' को राष्ट्रगान और 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार किया गया था, जिससे इस दिन का महत्व और बढ़ जाता है। मोदी ने कहा कि रोजगार मेला बीते वर्षों में एक संस्था के रूप में स्थापित हो चुका है। इसके माध्यम से लाखों युवाओं को केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में नियुक्ति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को कौशल से जोड़ना और उन्हें रोजगार व स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता रही है, इसी उद्देश्य से मिशन मोड में रोजगार मेले की शुरुआत की गई थी।

उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। सरकार का निरंतर प्रयास है कि देश और विदेश दोनों जगह भारतीय युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हों। उन्होंने बताया कि भारत सरकार कई देशों के साथ ट्रेड और मोबिलिटी एग्रीमेंट कर रही है, जिससे भारतीय युवाओं के लिए वैश्विक स्तर पर रोजगार और पेशेवर अवसर बढ़ रहे हैं। पीएम ने कहा कि बीते वर्षों में भारत ने आधुनिक बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व निवेश किया है।

सड़क, रेल, हवाई अड्डे, बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में हुए विकास से निर्माण और उससे जुड़े हर सेक्टर में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत एकमात्र प्रमुख अर्थव्यवस्था है, जिसने एक दशक में अपना सकल घरेलू उत्पाद दोगुना किया है और आज सौ से अधिक देश भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश कर रहे हैं।

महिलाओं पर फोकस

महिलाओं की भागीदारी पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज बड़ी संख्या में महिलाएं निदेशक, संस्थापक और नेतृत्वकर्ता की भूमिका में हैं। सहकारिता क्षेत्र, स्वयं सहायता समूहों और गांवों में महिलाएं नेतृत्व कर रही हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में देश की कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी लगभग दोगुनी हो गई है। मुद्रा योजना और स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं से महिलाओं को विशेष लाभ मिला है और महिलाओं के स्वरोजगार में करीब 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकारी कंपनियों और संस्थानों के विकास में नव-नियुक्त युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने सभी युवाओं को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह नियुक्ति पत्र उन्हें विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देता है।

गंजबासौदा में सनसनीखेज वारदात

हथियारबंद बदमाशों ने परिवार को बंधक बनाकर 77 लाख लूटे

विदिशा ■ एजेंसी

विदिशा जिले के गंजबासौदा क्षेत्र अंतर्गत रायखेड़ी धाम में शुक्रवार देर रात हथियारबंद बदमाशों ने एक परिवार को बंधक बनाकर करीब 77 लाख रुपये की लूट को अंजाम दिया। बदमाश छत के रास्ते घर में घुसे और 45 तोला सोना-चांदी के जेवरात तथा 8 लाख नकदी लेकर फरार हो गए।

वारदात देर रात करीब 12:30 से 1 बजे के बीच बृज बिहारी कुर्मी पटेल के घर हुई। त्योंदा थाना पुलिस के अनुसार, चार बदमाश हथियारों से लैस होकर छत के रास्ते घर में दाखिल हुए। जैसे ही गृहस्वामी बृज बिहारी पटेल की नींद खुली, बदमाशों ने उन्हें बंधक बना लिया। इसके बाद उनकी पत्नी और बेटे सत्यम कुर्मी को भी एक कमरे में बंद कर दिया गया।

तलवार और कट्टे की नोक पर की मारपीट-पीड़ित बृज बिहारी कुर्मी ने बताया कि बदमाशों के पास तीन तलवारें और एक कट्टा था। आरोपियों ने पहले उनके साथ और फिर बेटे सत्यम के साथ मारपीट की। दहशत फैलाकर बदमाशों ने घर में रखे कीमती सामान की जानकारी ली और अलमारियों से जेवरात व नकदी समेट ली। सत्यम कुर्मी के अनुसार, बदमाश करीब 40 से 45 तोला सोना-चांदी के जेवर और 8 से 10 लाख रुपये नकद ले गए। लूटे गए सामान की कुल कीमत लगभग 77 लाख रुपये आंकी गई है।

बजट सत्र से पहले सरकार ने 27 जनवरी को बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। सरकार ने संसद के बजट सत्र से पहले मंगलवार 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में सत्र के सुचारु कामकाज को लेकर सरकार राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर्स के साथ विधायी और अन्य एजेंडों पर चर्चा करेगी।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक संसद भवन एनेक्सी में होगी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

बैठक में विधायी कार्यसूची और बजट सत्र के दौरान उठने वाले अहम मुद्दों पर चर्चा की संभावना है। संसद सत्र के पूर्व होने वाली इस बैठक के पीछे सरकार का उद्देश्य सत्र को सुचारु रूप से चलाना और सभी दलों की राय जानना होता है। संसद का बजट सत्र दो चरणों में 28 जनवरी बुधवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को समाप्त होगा।

डिजिटल अरेस्ट कर 15 करोड़ ठगने वाले 8 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने डिजिटल अरेस्ट करके बुजुर्गों को डराकर करोड़ों की ठगी करने के मामले में उत्तर प्रदेश, गुजरात और ओडिशा से आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटेजिक ऑपरेशंस के पुलिस उपायुक्त विनित कुमार ने शनिवार को बताया कि यह गिरोह कंबोडिया और नेपाल से संचालित हो रहा था। पकड़े गए आरोपितों की पहचान पटेल दिव्यांग (30), शितोले कृतिक (26), अरुण कुमार तिवारी (45), महावीर शर्मा उर्फ नील (27), प्रद्युम्न तिवारी, अंकित मिश्रा, भूपेंद्र कुमार मिश्रा और आदेश कुमार सिंह (36) के रूप में हुयी है। उन्होंने बताया कि 77 वर्षीय पीड़िता को 24 दिसंबर 2025 को एक फोन कॉल आया, जिसमें बताया गया कि उनके नाम से जारी सिम कार्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शामिल है। इसके बाद उन्हें व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर फर्जी सीबीआई और पुलिस अधिकारी बनकर दिखाया गया और जाली गिरफ्तारी वारंट के जरिए डराया गया। आरोपितों ने व्हाट्सएप पर फर्जी कोर्ट की कार्यवाही तक करवाई और पीड़िता एवं उनके पति को लगातार वीडियो कॉल पर निगरानी में रखा। दंपति से कहा गया कि वे अपनी सभी जमा पूंजी, एफडी और शेयर निवेश की राशि तथाकथित 'आरबीआई अनिवार्य खाते' में जांच के लिए ट्रांसफर करें। ठगों ने भरोसा दिलाया कि जांच पूरी होते ही पूरी रकम वापस कर दी जाएगी।

मप्र के शाजापुर में मालगाड़ी पटरी से उतरी, दो हिस्सों में बंटी ट्रेन, रेल यातायात ठप

भोपाल। शाजापुर जिले के मक्सी रेलवे स्टेशन के पास शनिवार दोपहर को एक बड़ा रेल हादसा हो गया। उज्जैन से गुना जा रही मालगाड़ी अचानक पटरी से उतर गई। ट्रैक टूटने से ट्रेन का संतुलन बिगड़ गया और वह दो हिस्सों में बंट गई। कई डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए, लेकिन गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। हादसे से रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। रेलवे टीम ने तुरंत मरम्मत शुरू की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मालगाड़ी सामान्य रफ्तार से चल रही थी, तभी ट्रैक टूटने की तेज आवाज आई। डिब्बे एक-एक करके पटरी से नीचे लुढ़कने लगे।

जयप्रकाश अस्पताल में मेडिकल वेस्ट घोटाला : सीएमएचओ ने दिए जांच के आदेश

लाखों का अतिरिक्त भुगतान, अफसरों की भूमिका सवालों में

भोपाल ■ प्रतिनिधि

राजधानी भोपाल के मॉडल माने जाने वाले जेपी अस्पताल में मेडिकल वेस्ट निस्तारण के नाम पर सरकारी धन की बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने मामले को गंभीर मानते हुए जांच के आदेश दिए हैं। शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि अस्पताल में बेड घटने के बावजूद तीन साल तक गलत भुगतान किया गया, जिससे 16.42 लाख रुपए का अतिरिक्त खर्च हो गया।

वर्ष 2023 में काटजू अस्पताल शुरू होने के बाद जेपी अस्पताल में 150 बिस्तर कम कर दिए गए, लेकिन मेडिकल वेस्ट निस्तारण करने वाली एजेंसी को आज भी 400 बेड के हिसाब से भुगतान किया जा रहा है। जबकि वास्तविक संख्या 250 बेड की ही है।

रोज 1,500 रुपए की अतिरिक्त चपत

मेडिकल वेस्ट निस्तारण का भुगतान प्रति बेड 10 रुपए प्रतिदिन की दर से किया जा रहा था। इस तरह 150 बेड के नाम पर रोज 1,500 रुपए अतिरिक्त दिए गए, जो तीन साल में बढ़कर 16.42 लाख रुपए तक पहुंच गए।

एक ही बेड का दो जगह भुगतान

जिन 150 बिस्तरों को काटजू अस्पताल में शिफ्ट किया गया, वहां भी मेडिकल वेस्ट निस्तारण का भुगतान किया जा रहा है। यानी एक ही बेड के नाम पर दो अस्पतालों से भुगतान, जिससे सरकारी खजाने को सीधा नुकसान हुआ।

सीएमएचओ बोले दोषियों पर होगी कार्रवाई

सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि मामले की जानकारी मिल चुकी है और जांच करवाई जा रही है। संबंधित कंपनी की जानकारी भी सामने आ गई है। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बड़ा सवाल यह है कि बेड घटने की जानकारी होने के बावजूद तीन साल तक भुगतान कैसे चलता रहा। जिम्मेदार अधिकारियों ने समय रहते सुधार क्यों नहीं किया। अब इसकी पड़ताल जांच में होगी।

एयर इंडिया ने न्यूयॉर्क और नेवार्क की उड़ानें रद्द कीं, अमेरिका में विंटर स्टॉर्म का अलर्ट

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के नेवार्क से आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानें 25-26 जनवरी के लिए रद्द कर दी हैं। एयर लाइन ने अमेरिका में भीषण विंटर स्टॉर्म की आशंका के बीच यात्रियों और क्रू-मेंबर की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है।

एयर इंडिया ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में शनिवार को बताया कि उसने रविवार और सोमवार को न्यूयॉर्क और नेवार्क, न्यू जर्सी से आने-जाने वाली सभी फ्लाइट्स कैंसिल कर दी हैं, क्योंकि उस इलाके में भारी बर्फबारी के साथ-साथ गंभीर तूफान का अनुमान है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर किया गया होनहार बालिकाओं को सम्मानित

सीहोर। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर ग्राम बरखेड़ा हसन के शासकीय कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्र स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में गोल्ड मेंडल एवं सिल्वर मेंडल लाने वाली तथा स्कूली शिक्षा में उत्कृष्ट अंक पाने वाली होनहार बालिकाओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति सदस्य श्रीमती स्वाती श्रीवास्तव द्वारा बालिकाओं को उनके अधिकारों, योजनाओं और कनूनी प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में श्री सुमित गौर द्वारा बालिकाओं के शिक्षा के अधिकार, डिजिटल कौशल, बाल अधिकार एवं बाल विवाह संबंधी कानूनों के बारे में विस्तार से बताया गया।

भिंड में बलाएं लेकर फौजी पति को दी आखिरी विदाई

भिंड। जम्मू के डोडा जिले में सर्चिंग ऑपरेशन के दौरान हादसे में शहीद हुए भिंड के हवलदार शैलेंद्र सिंह भदौरिया का शनिवार सुबह उनके पैतृक गांव चितावली (अटेर) में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। शहीद के 6 वर्षीय बेटे भावेश भदौरिया ने मुखाग्नि दी। इससे पहले जब शहीद का पार्थिव शरीर गांव पहुंचा तो अंतिम दर्शन के लिए हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। सेना के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। बता दें कि डोडा में सेना का वाहन खाई में गिरने से शैलेंद्र सिंह समेत 10 जवान शहीद हुए थे। शिवानी ने शहीद पति की अंतिम विदाई के दौरान अदम्य साहस का परिचय दिया।

वकील-महिला विवाद पर बैतूल कोतवाली में दो घंटे हंगामा

बैतूल। बैतूल जिला अधिवक्ता संघ बैतूल द्वारा दो महिलाओं के खिलाफ गाली-गलौज और धमकी देने की शिकायत पर शुक्रवार शाम से देर रात तक कोतवाली थाने में हंगामे की स्थिति बनी रही। अधिवक्ता करीब दो घंटे तक थाने में डटे रहे और एफआईआर दर्ज करने की मांग करते रहे। मामला 22 जनवरी का है। अधिवक्ता अंशुल गर्ग और नितिन मिश्रा ने जिला अधिवक्ता संघ के माध्यम से आवेदन देकर आरोप लगाया था कि जमानत पेशी के दौरान दो महिलाएं रिया कौशिक और आशा तिवारी ने उन्हें गालियां दीं और धमकी दी कि 'हम तुम्हें देख लेंगे, हमारा केस तुम कैसे लड़ोगे।

अश्लील मैसेज से ब्लैकमेलिंग, निवाड़ी से महिला आरोपी गिरफ्तार

अशोकनगर। अशोकनगर जिले के शाढ़ौरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने शनिवार को साइबर अपराध के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह अश्लील मैसेज भेजकर लोगों को मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था और उनसे पैसे ऐंठता था। पुलिस ने इस मामले में निवाड़ी जिले से एक महिला आरोपी निधि यादव (24) को गिरफ्तार किया है।

13 मजदूरों को रौंदने वाला कार ड्राइवर गिरफ्तार

ट्रेन से पुणे जाने की फिराक में था, 5 आदिवासी महिलाओं की मौत का है जिम्मेदार

जबलपुर ■ निसं

नेशनल हाईवे पर निर्माण कार्य कर रहे मजदूरों को तेज रफ्तार कार से कुचलने वाले फरार आरोपी लखन सोनी को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। यह दर्दनाक हादसा 18 जनवरी 2026 को थाना बरेला क्षेत्र में सिग्मा कान्हा कॉलोनी, सालीवाड़ा के पास नेशनल हाईवे पर हुआ था, जिसमें 5 मजदूरों की मौत और 11 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

पुलिस के मुताबिक मंडला से जबलपुर की ओर जा रही सफेद रंग की कार के चालक ने लापरवाही से तेज वाहन चलाते हुए सड़क किनारे काम के बाद लंच कर रहे मजदूरों को कुचलते हुए फरार हो गया। हादसे में 11 मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि 5 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

कार मालिक से खुला राज: मामले में पुलिस ने कार मालिक दीपक सोनी (पिता रमेश सोनी) को हिरासत में लेकर पूछताछ की थी। पूछताछ में सामने आया कि घटना के समय कार उसका भाई लखन सोनी चला रहा था। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार को जब्त कर लिया, जबकि लखन सोनी फरार हो गया था।

फरार आरोपी की तलाश में थाना बरेला और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम लगाई गई। इसी दौरान क्राइम ब्रांच को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी लखन सोनी जबलपुर स्टेशन के पास बाहर भागने की फिराक में है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे ट्रेन की बोगी से दबोच लिया। गौर चौकी प्रभारी टेकचंद शर्मा ने बताया कि वो पुणे जाने की फिराक में था। वो कटनी से ट्रेन बैठा था। क्राइमब्रांच की टीम ने जानकारी लगते ही उसे टिकट सहित ट्रेन की बोगी से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी लखन सोनी के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125(ए), 125(बी), 105 और मोटरयान अधिनियम की धारा 184, 134, 187, 177 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

लखन सोनी, आरोपी

नेशनल हाईवे पर परिजनों ने किया था चक्काजाम

हादसे के बाद मृतकों के परिजनों ने डेडबॉडी के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर प्रदर्शन किया था। हजारों ग्रामीण उनके समर्थन में मौके पर पहुंचे थे। NHAI, शासन और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए करीब 5 घंटे तक प्रदर्शन किया था। इस दौरान नेशनल हाईवे पूरी तरह जाम रहा, जो करीब 10 किलोमीटर तक फैला रहा। एडिशनल एसपी सूर्यकांत शर्मा, अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड और एसडीएम अभिषेक सिंह के कई घंटों के प्रयास के बाद परिजन माने तब जाकर धरना और जाम समाप्त हुआ था।

उद्योगपतियों के साथ जिला स्तरीय बैठक का आयोजन

खरगोन ■ निसं

अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर की अध्यक्षता में जिला व्यापार और उद्योग केन्द्र, खरगोन द्वारा उद्योगपतियों के साथ त्रैमासिक जिला स्तरीय बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया।

महाप्रबंधक श्री धनंजय शुक्ला ने शासन की उद्योग अनुकूल नीतियों का प्रस्तुतीकरण दिया और उद्योगों को राज्य शासन द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न प्रोत्साहन, अनुदान, छूट और रियायतों का उल्लेख किया।

शुक्ला ने बताया कि एमएसएमई उद्योगों, महिला उद्यमिता, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, नवकरणीय ऊर्जा, स्टार्टप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए राज्य शासन द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित हैं। उन्होंने बताया कि यह त्रैमासिक बैठक लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड, व्यापार प्रोत्साहन समिति, निवेश प्रोत्साहन समिति, निर्यात संवर्धन बोर्ड और अविकसित भूमि आवंटन के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। उन्होंने जिले के 6 औद्योगिक क्षेत्रों और नवस्थापित 4 औद्योगिक क्षेत्रों में उद्योपतियों को आ रही समस्याओं और सुझावों की जानकारी प्राप्त की। बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों सहित औद्योगिक क्षेत्रों के संघ, चैंबर ऑफ कॉमर्स, लघु उद्योग भारती के पदाधिकारी उपस्थित थे।

एबीवीपी ने निकाली तिरंगा यात्राः 200 छात्र-छात्राओं ने लिया हिस्सा लिया

वंदे मातरम्, तिरंगा हमारी शान है के लगाए नारे

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने शनिवार को तिरंगा यात्रा निकाली। यह यात्रा दोपहर 12 बजे रामजानकी राधाकृष्ण मंदिर से शुरू हुई। इसमें नगर के शासकीय और अशासकीय विद्यालयों के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा थामे हुए नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरे छात्र: यात्रा में शामिल विद्यार्थी अपने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा थामे हुए नगर के प्रमुख मार्गों से गुज़रे। यह रामजानकी राधाकृष्ण मंदिर से नंदरवाड़ा तिराहा, पत्थर पुल, जयस्तंभचौक, गांधी चौक, नर्मदा मंदिर चौक, कल्लू चौक, मारुति मंदिर चौक और रेंज ऑफिस चौराहे से होते हुए अटल खेल प्रशाल मैदान पहुँची। यहीं पर यात्रा का समापन किया गया।

वंदे मातरम् और तिरंगा हमारी शान है के लगाए नारे: यात्रा मार्ग में छात्र-छात्राओं ने 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' और 'तिरंगा हमारी शान है' जैसे देशभक्ति नारे लगाए। नागरिकों ने मार्ग में खड़े होकर विद्यार्थियों का अभिवादन किया।

कार्यक्रम के समापन पर एबीवीपी के नगर अध्यक्ष अबीर शर्मा ने संबोधित किया। उन्होंने बताया कि इस तिरंगा यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, एकता, अनुशासन और देश के प्रति कर्तव्यबोध की भावना जगाना है।

शर्मा ने कहा कि युवा वर्ग ही देश का भविष्य है। यात्रा के दौरान शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन और पुलिस बल भी तैनात रहा। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

न्यायालय ने दुर्घटना दावे मे 22 लाख की राशि का अवार्ड दिया

सिवनीमालवा। प्रथम मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण मे न्यायाधीश प्रथम सदस्य श्रीमती तबस्सुम खान ने 22 लाख 55 हजार रुपये की राशि का अवार्ड पीड़ित पक्ष को दिये जाने का आदेश दिया है। प्रकरण मे प्रस्तुत साक्ष्यो एवं तथ्यों पर विचार करने के बाद अधिकरण ने माना कि दुर्घटना मे पीड़ित पक्षों को गंभीर क्षति हुई है। जिसके लिए मुआवजा दिया जाना न्यायोचित है। अधिकरण द्वारा प्रथम सदस्य न्यायाधीश श्रीमती खान ने बीमा कम्पनी को निर्धारित राशि आवेदन दिनाक से 30 दिवस मे दिये जाने के निर्देश दिये है। इस प्रकरण की घटना मे ग्राम सुरजपुर निवासी शैलेन्द्र रघुवंशी की मृत्यु ट्रेक्टर मे दबने से हो गयी थी। तब पीड़ित पक्ष मे पत्नी और बच्चो ने क्षतिपूर्ति राशि के लिए बीमा कम्पनी के विरुद्ध मोटर दुर्घटना दावा अभीकरण मे प्रकरण प्रस्तुत किया था। पीड़ित पक्ष की और से पैरवी कमल किशोर कौशल अधिवक्ता ने कर न्याय दिलाने मे सहयोग किया।

सी. वी. रमन बीएड कॉलेज व आईटीआई में हर्षोल्लास से मनाया गया बसंत महोत्सव

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

सी. वी. रमन बीएड कॉलेज एवं आईटीआई नर्मदापुरम में बसंत महोत्सव का आयोजन श्रद्धा एवं उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्या की देवी मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज की डायरेक्टर डॉ. श्रीमती रागनी विवेक भदौरिया ने मां वीणापाणी सरस्वती की पूजा एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

कार्यक्रम में बीएड प्रभारी प्राचार्य डॉ. नारायण दास कुशवाहा, आईटीआई प्राचार्य राजेश पचलानिया, डॉ. हरिओम दीक्षित, श्रीमती रोहनी शर्मा, डॉ. नीतू पठारिया सहित आईटीआई प्रशिक्षक अभिषेक कोटवाला, श्रीकांत चौधरी, संतोष ठाकुर, विकास यादव, हिमांशु भटनागर तथा बीएड एवं आईटीआई का समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

समापन अवसर पर महाआरती का आयोजन किया गया, जिसके पश्चात सभी उपस्थितजनों को प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम ने शैक्षणिक वातावरण में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना का संचार किया।

लीनेस क्लब की नव नियुक्त पदाधिकारियों ने ली शपथ

सोहागपुर ■ निसं

लीनेस क्लब का शपथ ग्रहण समारोह गत दिवस मढ़ई क्षेत्र के एक निजी रिसोर्ट में किया गया। जिसमें नव नियुक्त अध्यक्ष नंदिनी साहू ने अध्यक्षता की शपथ ली। वहीं वसंत पंचमी उत्सव भी इस अवसर पर आयोजित किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष कल्पना रघुवंशी ने बताया कि शालनी चौहान को सचिव तथा मंजू दुबे को कोषाध्यक्ष पद की शपथ भी दिलाई गई। अनीता कत्थे ने नव कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। इस दौरान विमला अग्रवाल, तरुणा माहेश्वरी, अनीता कत्थे, संगीता खनूजा, कल्पना रघुवंशी, क्षमा दीवान, अर्चना खंडेलवाल, भावना खंडेलवाल, बबीता चौरसिया, वृंदा अग्रवाल, शकीना खान, अनीता चौधरी आदि की उपस्थिति रही।

हिंदू संस्कृति के अनुसार विधि-विधान से हवन भव्य रूप में मां सरस्वती की पूजन कर जयंती मनाई

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर के जीवा ज्योति हायर सेकंडरी विद्यालय बानापुरा के परिसर में हर्षोल्लास के साथ विद्या की देवी मां सरस्वती की जयंती मनाई गई। जिसमें हिंदू संस्कृति के अनुसार विधि-विधान से हवन का कार्यक्रम प्रारंभ कर आयोजन किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य द्वारा व सभी शिक्षक शिक्षिकाओं तथा सभी विद्यार्थियों द्वारा पूर्ण आहुतियां हवन कुंड में छुड़वाई गई एवं विद्यार्थियों को विद्या आरंभ संस्कार करवाया गयाऔर मां सरस्वती जी से सुख ,शांति, समृद्धि एवं उज्जवल भविष्य की कामना के लिए सभी के द्वारा प्रार्थना की गई।

प्राचार्य डॉक्टर प्रवीण पाणिकर द्वारा वाचन कार्यक्रमः- शाला के प्राचार्य श्री डॉक्टर प्रवीण पाणिकर द्वारा सभी विद्यार्थियों को हमारी संस्कृति व हिंदू रीति रिवाज के विषय में जानकारी देते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को सरस्वती मां की जयंती के बारे में सभी विद्यार्थियों को जानकारी दी और कहा कि ,इस दिन को हम पूरे हर्षोल्लास के साथ घरों में, मंदिरों में तथा विद्यालयों में पूजा अर्चना के साथ प्रतिवर्ष मानते चले आ रहे हैं। मां सरस्वती ज्ञान और विद्यादायिनी बताया और साथ-साथ उन्होंने सभी प्यारे विद्यार्थियों को यह भी बताया कि -मां सरस्वती की पूजा करने से हमें शक्ति, सुख, प्रगति, समृद्धि व शांति प्रदान होती है और माताजी के वस्त्र का रंग व फूल तथा भोग आदि सभी की जानकारी विद्यार्थियों को दी ।

संदेश विद्यालय द्वाराः-हम चाहते हैं कि देश राज्य व नगर/ शहर तथा गांव में हर व्यक्ति के पास हमारी संस्कृति को कायम रखने तथा धार्मिक आयोजन करने करने व संस्कार का संरक्षण कर हर बच्चा व्यक्ति संस्कारवान बने और अपने देश व समाज तथा धर्म की संस्कृति को ना भूले।

प्रसादी /भंडारा वितरण कार्यक्रमः शाला द्वारा हवन कार्यक्रम पर वचन कार्यक्रम के बाद अंत में आरती पूजन -वंदन के बाद प्रसादी वितरण करवाई गई। इस कार्यक्रम में सभी स्टाफ व सभी विद्यार्थियों में आनंद को देखते हुए कार्यक्रम को बड़े शांतिपूर्ण ढंग से मां सरस्वती जी की जयंती का कार्यक्रम संपन्न कराया गया ।

विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगी रचना दीदी

अपनी मेहनत और लगन से रचना दीदी बनीं महिलाओं के लिए प्रेरणा

सीहोर ■ निसं

सीहोर जिले की आष्टा तहसील के ग्राम ग्वाली निवासी श्रीमती रचना दीदी का जीवन स्वयं सहायता समूह से जुडने से पहले एक साधारण गृहिणी के रूप में चल रहा था। वे अपने परिवार की देखभाल में व्यस्त रहती थीं, जबकि उनके पति श्री बाबुलाल सिलाई का काम करके परिवार का पालन-पोषण करते थे। बाबूलाल की आय का आधा हिस्सा घर चलाने में चला जाता था, और बाकी बचत से वे अपने परिवार की अन्य जरूरतों को पूरा करते थे।

इसके अलावा, बाबुलाल के पास थोड़ी कृषि योग्य भूमि है, जिसमें वे खेती का काम भी करते है। श्रीमती रचना और बाबुलाल ने हमेशा मेहनत और ईमानदारी से अपने परिवार की देखभाल की। हालांकि, वे समझ चुके थे कि जीवन की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए कुछ अतिरिक्त करने की आवश्यकता है। यह वह समय था जब रचना ने अपने जीवन में बदलाव लाने के बारे में सोचना शुरू किया।

श्रीमती रचना के जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उन्होंने ग्राम आजीविका स्वयं सहायता समूह (स्ञ्ल) से जुड़ने का निर्णय लिया। 01 दिसंबर 2019 को उन्होंने समूह में शामिल होकर अपनी बचत और आर्थिक सुरक्षा की दिशा में पहला कदम उठाया। उन्होंने समूह में बचत जमा करना शुरू किया, जिससे उन्हें बचत की आदत लगी। इस प्रकार धीरे-धीरे उन्होंने अपने आर्थिक जीवन में स्थिरता लाने के लिए कदम उठाए। समूह से जुड़ने के बाद रचना ने पहली बार 1,000 रुपये की चक्रीय राशि के रूप में ऋण प्राप्त किया, जिसे उन्होंने घरेलू खर्चों को पूरा करने में इस्तेमाल किया। इसके बाद उन्होंने ष्ट्ढ्ढस्न और बैंक ऋण राशि से 04 बार मे 1,42,200 रुपये का ऋण लिया और उस राशि का उपयोग जनरल स्टोर खोलने में किया। जनरल स्टोर का संचालन शुरू करने से उनकी आय में वृद्धि हुई और लखपति दीदी योजना अंतर्गत रचना दीदी सीआरपी का कार्य करने लगी।

श्रीमती रचना दीदी के परिवार मे आय के स्त्रोत जनरल स्टोर, खेती और सीआरपी के कार्य से वर्तमान में उनकी वार्षिक शुद्ध आय 1,27,300 रुपये डिजिटल आजीविका रजिस्टर मे दर्ज की गई है, जो कि उनकी आत्मनिर्भरता की प्रेरणादायक कहानी को और भी मजबूत बनाती है। इस प्रकार श्रीमती रचना ने न केवल अपने परिवार के लिए अतिरिक्त आय का साधन विकसित किया, बल्कि उन्होंने अपनी नेतृत्व क्षमता और व्यावसायिक सूझबूझ को भी साबित किया।

सदगुरु की दी दृष्टि से परमात्मा के दर्शन होते है-प. राजेश महाराज

सिवनी मालवा ■ निसं

मानव जीवन मे गुरु का बहुत महत्व है। गुरु हमे शब्द रूपी ज्ञान देते है और सदगुरु के ज्ञान से साक्षात परमात्मा के दर्शन हो जाते है। उक्त बात बानापुरा मोती श्री मैरिज गार्डन मे चल रही श्री मद भागवत कथा मे बीड सिंगाजी वाले कथा वाचक पंडित राजेश महाराज ने कही। कथा वाचक राजेश महाराज ने गुरु और सदगुरु मे अंतर बताते हुए कहा कि गुरु का होना जीवन मे आवश्यक है गुरु हमे ज्ञान प्रदान करते है। ईश्वर की दी हुई आँखों से हमे परमात्मा दिखता है। लेकिन सदगुरु द्वारा दिया गया ज्ञान हमे परमात्मा से मिलाता है।

कथा को विस्तार देते हुए महाराज जी ने कहा कि श्रीराम कथा, श्रीमद्भागवत पुराण, शिवपुराण, नर्मदा पुराण, देवी भागवत पुराण, भक्तमाल कथा एवं गृहशान्ति गृह प्रवेश, ज्योतिष कार्य एवं समस्त धार्मिक अनुष्ठान कार्य किये जाते हैं।उन्होंने धुव चरित्र भरत चरित्र सुनाते हुए कहा कि भक्ति करने की कोई उम्र नहीं होती है धुबनी महाराज ने मात्र साडेचांच वर्ष की आयु में परमात्मा को प्रगावकर किया पहनाद जी ने मात्र 6 वर्ष की आयु में हरि का प्रभाव कर किया जिसने बचपन में भवित्तमा कभी वह जवानी मे कभी नही करेगा जिसने जवानी में भविता नहीं करी वह बुडाये में कर ही नहीं सकता बचपन की भक्ति से जबानी सुधरजाती है जवानी की भविता से बुडापा सुधर जाता है बुडापे की भक्ति से अगला जन्म सुधर जाता है, भक्ति करने के लिये घर छोडने की आवश्यकता नही हे भवित-घर में ही करे भरत जी महाराज ने घर छोडा वन में गये वहा हिरन के वच्चे के मोह के फस गये, घर मे रहे घर को मन में ना रखे देवकी जी ने नंद?वावा यसोदा ने गोपीयों ने घर में ही भजन कीर्तन कर परमात्मा को प्राप्त कर लिया--

राजा परीक्षित को शुकदेव जी के रूप मे सदगुरु मिले जिन्होंने परीक्षित को केवल सात दिन मे प्रभु दर्शन कराकर मोक्ष प्रदान करा दिया। भागवत हमे मृत्यु के पहले मुक्ति प्रदान कराती है। मृत्यु से पहले भी भागवत कथा मोक्ष प्रदान करती है। उन्होंने कथा के दौरान महाराज जी ने शिव शक्ति संवाद, मनु सतरूपा वंश का वर्णन, शिव पार्वती विवाह की कथा को विस्तार से बताया। बानापुरा के मोती श्री मैरिज गार्डन मे भमेडी वाले गणेशराम कांतिबाई सराठे द्वारा 19 जनवरी से 25 जनवरी तक भागवत कथा का आयोजन कराया जा रहा है। जिकी पूर्णाहुति 25 जनवरी को भंडारा प्रसादी के बाद की जायेगी।

सांगाखेड़ा कलां में राष्ट्रीय बालिका दिवस बालिकाओं को दी सुरक्षा की जानकारी

माखननगर ■ निसं

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर सांगाखेड़ा कला सेक्टर के आंगनबाड़ी केन्द्र में कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें मौजूद बालिकाओं को गुड टच व बेड टच सहित 1090 हेल्पलाइन सेवाओ के अलावा स्वास्थ्य एवं सम्मान व सुरक्षा की विस्तृत जानकारी दी ।

कार्यक्रम में सुपरवाइजर आफसा बी, ऑगनवाडी कार्यकर्ता महिमा दुबे,पम्मी पाराशर सहित महिलाएं व बालिकाएं उपस्थित रही ।

गणतंत्र दिवस 2026 की तैयारियां पूरी, लाल परेड ग्राउंड पर हुआ फुल ड्रेस रिहर्सल

गणतंत्र दिवस पर 23 प्लाटून और 1300 जवानों के साथ होगी परेड

भोपाल ■ निसं

मप्र की राजधानी भोपाल में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के लिए सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित फुल ड्रेस रिहर्सल में जवानों ने शानदार कदमताल दिखाई। इस बार की परेड अब तक की सबसे लंबी होगी, जिसमें कुल 23 प्लाटून शामिल होंगी। इनमें लगभग 1300 जवान और डॉग स्क्वॉड की टीम भी भाग लेगी। इसके बाद स्कूली और आदिवासी कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए जाएंगे। इस समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल मंगुभाई पटेल होंगे। प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन एवं डीजीपी कैलाश मकवाणा समेत सभी आला प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी इस समारोह में शामिल होंगे।

सातवीं बटालियन के कमांडेंट हितेष चौधरी ने बताया कि इस साल परेड में कुल 23 प्लाटून शामिल होंगी, जिसमें 1300 जवान और डॉग स्क्वॉड शामिल रहेंगे। इसके बाद स्कूली छात्रों और आदिवासी कलाकारों के द्वारा कार्यक्रम पेश किए जाएंगे। अंत में प्रदेश के सरकारी विभागों की झांकियां निकाली जाएंगी। परेड को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है और शनिवार को फुल ड्रेस रिहर्सल हुई, जिसमें डीजीपी कैलाश मकवाणा भी शामिल हुए।

केंद्रीय सशस्त्र बलों की तीन टुकड़ियां शामिल: गणतंत्र दिवस पर होने वाली परेड में केवल दो ही केंद्रीय बलों की टुकड़ियां शामिल होती थीं। इस बार राज्य स्तरीय परेड में शामिल होने के लिए इंडो तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने अपनी प्लाटून भेजी हैं। गृह विभाग की झांकी में हाल ही में शुरू की गई डायल 112 सेवा और शहीद स्मारक को दिखाया जाएगा। इसके अलावा अन्य विभागों की झांकियों में भी प्रदेश की कला आर संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी।

परेड कमांडर आईपीएस अफसर, सेकेंड कमांड महिला अधिकारी को

लाल परेड मैदान पर होने वाली परेड के कमांडर आईपीएस अधिकारी आयुष जाखड़ होंगे। वे फिलहाल ग्वालियर जिले में एसडीओपी के रूप में पदस्थ हैं। इस परेड की सेकेंड कमांडर रतलाम की डीएसपी नीलम होंगी, जो राज्य पुलिस सेवा की अफसर हैं। परेड में एक दशक बाद एनएसएस का दल भी शामिल किया गया है। इसके अलावा परेड में एमपी पुलिस, एसएएफ, पुलिस बैंड, एनसीसी की गर्ल्स और बॉयज विंग, स्काउट गाइड की टीम के अलावा महिला शौर्य दल भी शामिल होगा। परेड के दौरान पुलिस बैंड का दल देश भक्ति की धुनें बजाते हुए मंच के सामने से गुजरेगा।

कर्तव्य पथ पर दिखेगा अहिल्याबाई का सुशासन

गणतंत्र दिवस पर 300वीं जयंती को समर्पित होगी प्रदेश की झांकी

भोपाल ■ निसं

राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस समारोह 2026 में दिल्ली के कर्तव्य पथ पर चलने वाली मप्र की झांकी लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती को समर्पित है। राज्य शासन ने गणतंत्र दिवस परेड 2026 में प्रदेश की भव्य झांकी 'पुण्यश्लोक लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर' के गौरवशाली व्यक्तित्व, सुशासन, आत्मनिर्भरता, नारी सशक्तीकरण और सांस्कृतिक संरक्षण को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया है।

झांकी के अग्र भाग में लोकमाता देवी अहिल्याबाई की चिर-परिचित प्रतिमा को दर्शाया गया है, जिसमें वे हाथ में शिवलिंग धारण किए पद्मासन में विराजमान हैं। यह दृश्य भारतीय मातृशक्ति की सौम्यता, गरिमा और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है।

झांकी के मध्य भाग में लोकमाता अहिल्याबाई अपने मंत्रि-गण एवं सैनिकों के साथ दिखाई गई हैं, जो उनके सुदृढ़ प्रशासन और न्यायप्रिय शासन व्यवस्था को दर्शाता है। इसके निचले हिस्से में उनके शासनकाल में होलकर साम्राज्य द्वारा किए गए मंदिरों के जीर्णोद्धार एवं निर्माण कार्यों का चित्रण है, जहां एक सैनिक पहरा देते हुए सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा का संदेश देता है।

संक्षिप्त समाचार

10वीं और 12वीं के परीक्षा केंद्रों की लाइव निगरानी, 226 केंद्रों पर बोर्ड की विशेष नजर

भोपाल। मध्य प्रदेश में 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा फरवरी माह में होने जा रही हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा प्रदेश के 9 जिलों को अति संवेदनशील मानकर, 226 परीक्षा केदो पर 1000 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। परीक्षा हाल मैं सीसीटीवी कैमरे लगाकर उनका लाइव फीड भोपाल में बनाए गए, बोर्ड के कंट्रोल कमांड सेंटर में देखने की व्यवस्था की गई है। भोपाल इंदौर देवास सागर दमोह रीवा भिंड मुरैना और ग्वालियर परीक्षा की दृष्टि से संवेदनशील जिले हैं। प्रदेश में 488 संवेदनशील परीक्षा केंद्र हैं। जिन पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल के अनुसार बोर्ड परीक्षा के लिए 3856 परीक्षा केंद्र तैयार किए गए हैं। जहां पर 16 लाख परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा में नकल और अन्य गड़बड़ी रोकने के लिए लाइव निगरानी बोर्ड द्वारा पहली बार की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय बालिका दिवस की सभी बेटियों को दीं बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय बालिका दिवस की सभी बेटियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बेटियाँ, हमारी संस्कृति, संवेदना और भविष्य की आधारशिला हैं। शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर पाकर बेटियों, समाज और राष्ट्र को नई दिशा दे रही हैं। उन्होंने कामना की कि सभी बेटियाँ आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार करें। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार हर बेटी को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए संकल्पित है।

शरद स्मृति व्याख्यान मानस भवन भोपाल में 30 जनवरी को होगा

भोपाल। अर्चना प्रकाशन न्यास भोपाल के तत्वावधान में 30 जनवरी शुक्रवार को श्यामला हिल्स स्थित मानस भवन में शरद स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अ.भा. सह प्रचारक प्रमुख अरुण जैन मुख्य वक्ता होंगे। संघ के प्रांत चालक अशोक पांडेय कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। स्मृतिशेष शरद चंद मेहरोत्रा अर्चना प्रकाशन न्यास के संस्थापक हैं। उनकी पुण्यतिथि पर न्यास द्वारा यह आयोजन किया जा रहा है। न्यास के प्रबंध न्यासी राकेश जैन ने बताया कि इस अवसर पर तीन पुस्तकों तथा वार्षिक स्मारिका का लोकार्पण भी किया जाएगा। लेखक डॉ विकास दवे की पुस्तक भारत का जय घोष वंदे मातरम, लेखक लाजपत आहूजा की पुस्तक धर्म की ढाल गुरु तेगबहादुर तथा लेखक रमेश शर्मा की पुस्तक भगवान बिरसा मुंडा वार्षिक स्मारिका शताब्दी के निहितार्थ के संपादक हैं प्रो उमेश कुमार सिंह। कार्यक्रम शाम पांच बजे शुरू होगा।

बच्चों के रजिस्ट्रेशन व सत्यापन पर ही बोर्ड परीक्षा में हो पाएंगे शामिल

भोपाल। प्रदेश के सरकारी व निजी स्कूलों की पांचवीं व आठवीं की कक्षा की बोर्ड परीक्षा 20 फरवरी से आयोजित की जा रही है। इसके लिए राज्य शिक्षा केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का परीक्षा पोर्टल पर पंजीयन एवं सत्यापन कराने की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी की जाए। 31 जनवरी तक बच्चों व स्कूलों की मैपिंग से लेकर सत्यापन का कार्य पूरा किया जाए।

लोकभवन में मना चार राज्यों का संयुक्त स्थापना दिवस समारोह

विविधता में एकता से सशक्त होता भारत : राज्यपाल

राज्यों की सांस्कृतिक एकता और राष्ट्रीय समरसता का उत्सव

भोपाल ■ निसं

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि स्थापना दिवस समारोह केवल प्रशासनिक इकाइयों के गठन का स्मरण नहीं, बल्कि भारत की संघीय संरचना, सांस्कृतिक समृद्धि और राष्ट्रीय अखंडता के उत्सव का पावन प्रसंग है। उन्होंने 'विविधता में एकता' को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का संकल्प इसी भावना की जीवंत अभिव्यक्ति है।

राज्यपाल पटेल मणिपुर, मेघालय और उत्तर प्रदेश राज्यों के संयुक्त स?थापना दिवस समारोह को शनिवार को लोकभवन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राज्यों के स?थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर राज्यपाल पटेल को निदेशक राष्ट्रीय मानव संग्रहालय प्रो. अमिताभ पांडेय ने चित्रकार दोरेन सिंह द्वारा निर्मित केनवास पेंटिंग 'पुंग चोलम ऑफ मणिपुर' भेंट की। राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, राज्यपाल के अपर सचिव उमाशंकर भार्गव भी मौजूद थे।

राज्यपाल पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' अभियान ने देश की विविधताओं को एक सूत्र में पिरोकर राष्ट्रीय एकता को नई ऊर्जा प्रदान की है। उन्होंने बताया कि स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर 1 नवम्बर से 15 नवम्बर तक भारत पर्व के आयोजन में देश के सभी राज्यों की संस्कृतियों को एक मंच पर लाया जाता है। एकता नगर गुजरात में हुए गत वर्ष के समारोह में 11 नवम्बर को मध्यप्रदेश, मणिपुर एवं मेघालय का संयुक्त समारोह आयोजित हुआ था। इसमें राज्यों के राज्यपाल एवं मंत्री शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस का यह संयुक्त आयोजन इस सत्य को पुन: स्थापित करता है कि भौगोलिक दूरी के बावजूद हमारी आत्मा, चेतना और संस्कार एक हैं। उत्तर भारत की आध्यात्मिक चेतना, पूर्वोत्तर की समृद्ध लोक संस्कृति और पश्चिमी भारत की समुद्री विरासत का संगम भारत को विश्व मंच पर एक सशक्त और प्रेरक राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करता है। राज्यपाल पटेल ने स्थापना दिवस को क्षेत्रीय अस्मिताओं के सम्मान और राष्ट्रीय एकता को और अधिक सुदृढ़ करने के सामूहिक संकल्प का विशेष प्रसंग बताया। उन्होंने विकास, सुशासन और सामाजिक समरसता को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया। सभी नागरिकों से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से भारत की सांस्कृतिक विविधता को गौरव के रूप में अपनाने और 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध होने का आग्रह किया।

राज्यों के संयुक्त स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्यमंत्री, जेल विभाग दारा सिंह ने मध्यप्रदेश में रह रहे उत्तर प्रदेश मूल के लोगों को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने के लिए बधाई दी। उन्होंने मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश की लोक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि इन प्रस्तुतियों को देखकर ऐसा लगा मानो वे स्वयं उन राज्यों में पहुँच गए हों। उन्होंने बताया कि देश के 50% एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश में हैं, तीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे संचालित हैं और अयोध्या में चौथा बन रहा है। नोएडा मोबाइल निर्माण का बड़ा केंद्र बन चुका है। उन्होंने लोकभवन में समारोह आयोजन के लिए राज्यपाल के प्रति आभार ज्ञापित किया।

राज्यों के संयुक्त समारोह में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला और मेघालय के राज्यपाल सी.एच. विजयशंकर के वीडियो संदेश का प्रसारण किया गया। मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश राज्यों की संस्कृति, सभ्यता और विकास को दर्शाती लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। मणिपुर राज्य की ओर से 'दि गोल्डन लैंड ऑफ लियंगमई' लोक गीत की प्रस्तुति दी गई।

अनुरक्षण कार्यों के अंतर्गत तीव्र गति से निष्पादित हो रहे रेलवे ट्रैक रिन्यूअल कार्य

इन कार्यों से ट्रैक तथा गाड़ियों की संरक्षा गुणवत्ता होगी और भी मजबूत

भोपाल ■ निसं

पश्चिम मध्य रेल द्वारा मल्टी-ट्रैकिंग एवं अधोसंरचना विकास कार्यों के साथ-साथ अनुरक्षण गतिविधियों के अंतर्गत ट्रैक पर विभिन्न रिन्यूअल कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के मार्गदर्शन तथा इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से ट्रैक अनुरक्षण क्षेत्र में सभी नवीनीकरण कार्यों को प्राथमिकता एवं गति के साथ निष्पादित किया जा रहा है। ट्रैक नवीनीकरण के इन कार्यों में सी.टी.आर. (कम्पलीट ट्रैक रिन्यूअल), टी.आर.आर. (थ्रू रेल रिन्यूअल), टी.एस.आर (थ्रू स्लीपर रिन्यूअल), टी.टी.आर (थ्रू टर्न आउट रिन्यूअल), डीप स्क्रीनिंग जैसे प्रमुख कार्य शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि ट्रैक नवीनीकरण से संबद्ध उक्त समस्त कार्य संरक्षा से जुड़े हुए कार्य हैं एवं ट्रैफिक ब्लॉक लेकर ही इन कार्यों को निष्पादित किया जाता है। पमरे द्वारा इन कार्यों को उच्च दक्षता एवं संरक्षा मानकों के साथ पूरा किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के नौ माह (अप्रैल 2025 से दिसम्बर 2025) में अनुरक्षण कार्यों के अंतर्गत 343.47 ट्रैक किलोमीटर रेल नवीनीकरण, 220.86 ट्रैक किलोमीटर स्लीपर नवीनीकरण, 447 यूनिट्स टर्नआउट नवीनीकरण, 263 यूनिट्स टर्न आउट डीप स्क्रीनिंग तथा 525.45 ट्रैक किलोमीटर में डीप स्क्रीनिंग कार्य निष्पादित किया गया है।

इन सभी नवीनीकरण कार्यों से ट्रैक की मजबूती एवं यात्री गाड़ियों की संरक्षा गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित हुआ है।

पश्चिम मध्य रेल अपने निर्धारित लक्ष्यों की दिशा में निरंतर अग्रसर है तथा संरक्षा से जुड़े कार्यों के प्रति पूर्णत: प्रतिबद्ध है।

26 के बाद फिर बदलेगा मिजाज

मप्र में ठंड का ग्राफ नीचे, बादलों की एंट्री

भोपाल ■ निसं

मध्यप्रदेश के मौसम ने राहत भरा मोड़ ले लिया है। रात की कड़ाके की ठंड से फिलहाल निजात मिली है, जबकि दिन में बादलों की आवाजाही और कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी देखने को मिल रही है। शुक्रवार को ग्वालियर-चंबल अंचल में ऐसा ही बदला-बदला मौसम रहा, वहीं शनिवार सुबह कई जिलों में कोहरे की चादर छाई रही। मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिन प्रदेश में तेज ठंड का कोई अलर्ट नहीं है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार उत्तर पाकिस्तान के ऊपर सक्रिय निम्न दाब क्षेत्र और उससे जुड़ी ट्रफ के चलते प्रदेश के मौसम में यह उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। इसी सिस्टम का असर शुक्रवार को ग्वालियर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना में बादलों के रूप में दिखा। कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी दर्ज की गई। राजधानी भोपाल में दोपहर बाद बादल छाने से दिन के तापमान में 2 से 3 डिग्री तक गिरावट आ गई। शनिवार को बारिश का कोई अलर्ट नहीं है, लेकिन सुबह के वक्त ग्वालियर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में हल्का से मध्यम कोहरा छाया रहा। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में भी हल्के कोहरे ने सुबह की रफ्तार धीमी कर दी।

26 के बाद बारिश के आसार: सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के मुताबिक 26 जनवरी से उत्तर-पश्चिम भारत पर एक और स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टरबेंस असर डाल सकता है। इसके प्रभाव से मध्यप्रदेश के कई जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, अशोकनगर, गुना, राजगढ़, आगर-मालवा, नीमच और मंदसौर में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो दिन तक प्रदेश में तेज ठंड के हालात नहीं बनेंगे, हालांकि सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा बना रह सकता है।

एआईएस मानक पूरे नहीं करने वाली बसें होंगी ब्लैकलिस्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में परिवहन विभाग की सख्ती सामने आई है। एआईएस मानक पूरे नहीं करने वाली बसें ब्लैकलिस्टेड होंगी। इसी कड़ी में प्रदेश में 153 स्लीपर बस ऑपरेटर्स को नोटिस जारी किया है। जानकारी के अनुसार बस ऑपरेटर्स को एक हफ्ते की मोहलत दी गई है। बाहर गई बसों को लौटाने का समय दिया गया है।लौटने के बाद आरटीओ दफ्तर में फायर सेफ्टी ऑडिट होगा। स्लीपर बसें हाई-रिस्क कैटेगरी में घोषित है। स्लीपर बसों में एक ही फ्लोर पर ज्यादा इलेक्ट्रिकल लोड का खतरा बना रहता है। चार्जिंग पॉइंट, एसी, टीवी और बैटरी से शॉर्ट सर्किट का जोखिम बढ़ता है। ऑडिट में ऑटोमेटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड मानकों की जांच होगी। एआईएस-119 के तहत फायर अलार्म और फायर डिटेक्शन सिस्टम अनिवार्य होगा। मानक पूरे नहीं करने पर एक महीने का समय सुधार के लिए मिलेगा। तय समय में सुधार नहीं हुआ तो वाहन पोर्टल पर बस 'नॉट टू बी ट्रांजेक्टेड' होगी। ब्लैकलिस्ट बसों को कोई सरकारी सुविधा नहीं मिलेगी।

आरकेडीएफ ग्रुप फर्जीवाड़ा मामला

सत्य साईं यूनिवर्सिटी से बैक डेट में बनाई थी बीपीएड की डिग्रियां

जांच में मिले कई संदिग्ध दस्तावेज, हार्ड डिस्क जब्त

भोपाल ■ निसं

मध्यप्रदेश के पुराने इंदौर-भोपाल हाइवे स्थित श्री सत्य साईं यूनिवर्सिटी में फर्जी डिग्रियों का एक बडा घोटाला उजागर हुआ है। यहां पर बैक डेट में करीब 67 बीपीएड डिग्रियां बनाई गई और राजस्थान में शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा में अभ्यार्थियों ने इन फर्जी डिग्रीयों के माध्यम से नौकरी हासिल की। इस मामले में राजस्थान की एसओजी टीम ने बुधवार शाम को सीहोर की साईं यूनिवर्सिटी में दबिश थी। टीम ने देर रात तक यहां दस्तावेज खंगाले थे। टीम ने हार्ड डिस्क और मार्कशीट के दस्तावेज जब्त किए हैं।

गुरूवार और शुक्रवार को भी टीम ने यहां पर जांच की। टीम के सदस्य राजस्थान पुलिस के एडिशनल एसपी राजेश मेश्राम ने बताया कि जांच के दौरान कई संदिग्ध दस्तावेज मिले हैं। टीम कड़ी से कड़ी मिलाकर जांच कर रही है। राजस्थान में फर्जी डिग्रियों को लेकर पांच एफआईआर दर्ज हैं। तीन दिन जांच के बाद टीम शुक्रवार रात को लौट गई।

यह था पूरा मामला: राजस्थान में वर्ष 2020 की सहायक शिक्षक भर्ती में शामिल 67 अभ्यर्थियों की डिग्रियां फर्जी पाई गई हैं। केस की जांच कर रहे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश मेश्राम (राजस्थान एसओजी) ने कहा कि सत्य साईं यूनिवर्सिटी द्वारा डिग्रियां बैक डेट में तैयार की गईं, जिन्हें पीटीआई भर्ती में उपयोग किया गया। बीपीएड की मार्कशीट बैक डेट में बनाई गई।

राजधानी में पुलिस सहायता केंद्र और चौकियां जर्जर

शहर में 50 से ज्यादा पुलिस सहायता केंद्रों में से ज्यादातर बूथों की हालत दयनीय

भोपाल ■ निसं

राजधानी में आम जनता की मदद के लिए बनाए गए पुलिस सहायता केंद्र और चौकियां जर्जर हालत में धूल फांक रही हैं। बंद पड़े पुलिस बूथों पर गंदगी की भरमार है। शहर में 50 से ज्यादा पुलिस सहायता केंद्र (बूथ) मौजूद हैं। इनमें से ज्यादातर बूथों की हालत दयनीय है। इनको देखकर लगता है जैसे ये बूथ अपनी बदहाली में आंसू बहा रहे हैं। पब्लिक को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए बनाए गये पुलिस सहायता केंद्र को वर्तमान में देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे पहले इन केंद्रों को ही मदद की अति आवश्यकता है।

मप्र की तत्कालीन सरकार द्वारा 9 दिसंबर 2021 को ऐतिहासिक निर्णय लिया गया था, जिसमें प्रदेश के महानगर भोपाल और इंदौर में पुलिस आयुक्त प्रणाली को लागू किया गया था। इसके पीछे सरकार की मंशा थी कि कानून व्यवस्था चाक चौबंद रहे और लोगों में सुरक्षा का भाव पैदा हो। कानून-व्यवस्था की पहली कड़ी मानी जाने वाली पुलिस चौकियां और सहायता केंद्र आज खुद बदहाल हालत में नजर आ रहे हैं। इन केंद्रों की छतें टूटी हैं, तो कहीं दीवारों में दरारें आ गई हैं, फर्श टूटे हुए हैं और चारों तरफ गंदगी पसरी हुई है। रखरखाव की कमी के चलते पुलिस चौकियां और सहायता केंद्र परेशानी का सबब बन गए हैं।

पुलिस की जगह मिलती है छिपकलिया: महानगरों में बढ़ते क्राइम की वारदातों पर लगाम लगने के लिए सरकार द्वारा पुलिस चौकी और सहायता केंद्र स्थापित किए गए थे। इसके पीछे सरकार का उद्देश्य था कि शहरों में अपराध नियंत्रण किया जा सके और कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस के जवानों को आसानी हो। इसलिए विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस चौकियों और सहायता केंद्र सहित बूथ बनाए गए थे। ताकि आपातकालीन स्थिति में जरूरतमंदों को जल्द से जल्द पुलिस सहायता मिल सके। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। इन बूथों पर पुलिस की जगह छिपकलियों ने ले रखी है।

चौकियों पर नहीं है बुनियादी सुविधाएं: आम नागरिक अमित दुबे कहते हैं कि जो सहायता केंद्र संचालित भी हो रहे हैं, वहां शौचालयों की हालत बेहद खराब है। कहीं तो पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं तक नहीं हैं। जर्जर फर्नीचर और जंग लगे दरवाजे इन केंद्रों की बदहाली को साफ बयां करते हैं। इन हालातों का सीधा असर पुलिस की कार्यप्रणाली और पुलिस प्रशासन की छवि पर भी पड़ रहा है।

भगवान भरोसे पुलिस सहायता केंद्र

भोपाल में बनी पुलिस चौकियों और सहायता केंद्रों में पूरे टाइम ताला लटकता रहता है। वहीं इनकी स्थिति भी बड़ी दयनीय है। यहां कोई भी पुलिस वाला मौजूद नहीं रहता है और यहां पुलिस कर्मियों के बैठने तक की उचित व्यवस्था तक नहीं है। समाजसेवी सऊद सिद्दीकी ने बताया कि चौकियों में बैठने की व्यवस्था तो दूर की बात है। यहां खड़े रहना भी मुश्किल हो जाता है, क्योंकि पूरा परिसर में गंदगी से अटा पड़ा है। अगर लोग शिकायत कराने पहुंच भी जाएं, तो वहां मौके पर कोई नहीं मिलता है। भगवान भरोसे चल रहे है पुलिस सहायता केंद्र।

आज से तीन दिन तक घूमो लोकभवन

आमजन के लिए खुला रहेगा, विकास और इतिहास को बताने वाली प्रदर्शनी लगेगी

भोपाल ■ निसं

राजधानी स्थित लोकभवन (राजभवन) कल से तीन दिन तक आमजन के लिए खुला रहेगा। तीनों दिन नागरिक लोकभवन की ऐतिहासिकता, प्राकृतिक सौंदर्य एवं विशेष सजावट को करीब से देख सकेंगे। यहां केन्द्रीय संचार ब्यूरो और मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग द्वारा राजभवन से लोकभवन विषय पर आधारित प्रदर्शनी विशेष आकर्षण रहेगी। राज्यपाल मंगुभाई पटेल के फैसले के बाद राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे लोकभवन का भ्रमण जरूर करें और लोकतांत्रिक मूल्यों को निकट से अनुभव कर संविधान के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना को और अधिक सुदृढ़ करें। यह आयोजन नागरिकों और शासन के बीच संवाद, सहभागिता और विश्वास को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

केन्द्र एवं राज्य सरकार की प्रदर्शनियां: लोकभवन की ऐतिहासिकता के अवलोकन के साथ आमजन, केन्द्र एवं राज्य सरकार के विकासपरक एवं ऐतिहासिक पलों को प्रदर्शनी के माध्यम से देख सकेंगे। भारत सरकार के केन्द्रीय संचार ब्यूरो द्वारा वीबी-जी रामजी योजना तथा वंदे भारत थीम पर आधारित आकर्षक एवं सूचनात्मक प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

अनमोल वचन

पाषाण के भीतर भी मधुर स्त्रोत होते हैं, उसमें मदिरा नहीं शीतल जल की धारा बहती है।
जयशंकर प्रसाद

अच्छी योजना बनाना बुद्धिमानी का काम है पर उसको ठीक से पूरा करना धैर्य और परिश्रम का।
कहावत

भारत की विविधता और विकास का उत्सव

कांतिलाल मांडोत

पर्यटन का उद्देश्य रोजगार और पहचान का विस्तार राष्ट्रीय पर्यटन दिवस का मुख्य उद्देश्य भारतीय पर्यटन स्थलों का प्रचार करना है। इसके साथ ही पर्यटन उद्योग से जुड़े रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना भी इस दिवस का अहम लक्ष्य है।पर्यटन ऐसा क्षेत्र है जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आजीविका के अवसर पैदा करता है।

भारत में हर वर्ष पच्चीस जनवरी को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य देश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन के महत्व और उसके सामाजिक सांस्कृतिक तथा आर्थिक प्रभावों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है।भारत विश्व के उन गिने चुने देशों में है जहां प्राकृतिक सौंदर्य ऐतिहासिक धरोहर आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक विविधता एक साथ देखने को मिलती है। राष्ट्रीय पर्यटन दिवस इन सभी विशेषताओं को सामने लाकर भारत को वैश्विक पर्यटन मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करता है। पर्यटन का उद्देश्य रोजगार और पहचान का विस्तार राष्ट्रीय पर्यटन दिवस का मुख्य उद्देश्य भारतीय पर्यटन स्थलों का प्रचार करना है। इसके साथ ही पर्यटन उद्योग से जुड़े रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना भी इस दिवस का अहम लक्ष्य है।पर्यटन ऐसा क्षेत्र है जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आजीविका के अवसर पैदा करता है।इससे होटल परिवहन हस्तशिल्प स्थानीय बाजार और सांस्कृतिक गतिविधियों को नया जीवन मिलता है।पर्यटन और भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूतीबनी रहती है।आज पर्यटन भारतीय अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बन चुका है।यह क्षेत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करोड़ों लोगों को रोजगार प्रदान करता है।पर्यटन के माध्यम से सरकार को हर वर्ष कर शुल्क और सेवाओं से बड़ी मात्रा में आय प्राप्त होती है।यह आय बुनियादी ढांचे सामाजिक योजनाओं और विकास कार्यक्रमों में उपयोग की जाती है।पर्यटन से बदलती तस्वीरजम्मू कश्मीर जैसे राज्य जहां औद्योगिक गतिविधियां सीमित हैं वहां पर्यटन आय का सबसे बड़ा स्त्रोत बन चुका है।पर्यटन से होटल टैक्स परिवहन शुल्क और स्थानीय उत्पादों की बिक्री के माध्यम से राज्य की आय तेजी से बढ़ रही है।पर्यटन ने इन क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं।इसके साथ ही सामाजिक स्थिरता और शांति को भी आर्थिक आधार मिला है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और पर्यटन नीति का विकास भारत सरकार ने स्वतंत्रता के तुरंत बाद पर्यटन के महत्व को समझ लिया था।वर्ष उन्नीस सौ अड़तालीस में पर्यटन यातायात समिति का गठन इसी सोच का परिणाम था।

वर्ष उन्नीस सौ सड़सठ में पर्यटन मंत्रालय की स्थापना के बाद पर्यटन को संस्थागत पहचान मिली।राष्ट्रीय पर्यटन दिवस इसी दीर्घकालिक नीति दृष्टिकोण का प्रतीक है।सरकारी पहलें और योजनागत प्रयासपर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई योजनाएं आरंभ की हैं। स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत थीम आधारित पर्यटन सर्किट विकसित किए जा रहे हैं।

अपने देश पहल ने घरेलू पर्यटन को नई दिशा दी है।राष्ट्रीय हरित पर्यटन मिशन ने पर्यावरण संरक्षण को पर्यटन नीति से जोड़ा है।कौशल विकास की कमीएक बड़ी चुनौतीबनी हुई थी।पर्यटन उद्योग एक श्रम प्रधान क्षेत्र है।इस क्षेत्र में सेवा गुणवत्ता का सीधा संबंध प्रशिक्षित मानव संसाधन से होता है। लेकिन वर्षों से प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता पर्यटन क्षेत्र के विकास के अनुरूप नहीं रही है।इसका प्रभाव पर्यटकों के अनुभव और सेवा स्तर पर पड़ता है।संसाधनों का अतिदोहन और पर्यावरणीय दबाव अस्थिर पर्यटन प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डालता है।भारत के हिमालयी क्षेत्रों में जल वन और भूमि संसाधन पहले से ही सीमित हैं।

पर्यटन गतिविधियों के कारण मृदा क्षरण प्रदूषण और जैव विविधता को नुकसान हो रहा है।

यह स्थिति भविष्य के लिए गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा कर सकती है।पर्वतीय राज्यों पर

पर्यटन का भारजम्मू कश्मीर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्य अपनी पारिस्थितिक वहन क्षमता की सीमा तक पहुंच रहे हैं।यूपीएससी की परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्न इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं।

यदि पर्यटन विकास को संतुलित नहीं किया गया तो पर्यावरणीय क्षति अपरिवर्तनीय हो सकती है। इसलिए संरक्षण और विकास के बीच संतुलन अत्यंत आवश्यक है।बुनियादी सुविधाएं और सुरक्षा की जरूरत भारत के कई पर्यटन स्थलों पर स्वास्थ्य स्वच्छता परिवहन और सुरक्षा सुविधाएं अपर्याप्त हैं।

यह स्थिति विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देती है।अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए आधुनिक अवसंरचना अनिवार्य है।इन क्षेत्रों में निवेश पर्यटन क्षेत्र को और मजबूत बना सकता है।

ज़िम्मेदार औरहरित पर्यटन की दिशासतत पर्यटन का अर्थ है। ऐसा पर्यटन जो पर्यावरण समाज और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन बनाए।इसके लिए पर्यटन प्रबंधन से जुड़े सभी हितधारकों की जवाबदेही जरूरी है।प्राकृतिक पारितंत्र में न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ हरित पर्यटन को बढ़ावा देना समय की मांग है।संवहनीय अवसंरचना आत्मीय आतिथ्य को दीर्घकालिक आधार देती है।एकीकृत पर्यटनऔर डिजिटल प्रचारदेश भर में वांछित पर्यटन स्थलों की पहचान के लिए व्यापक बाजार अध्ययन आवश्यक है।इसके आधार पर पर्यटन स्थलों का मानचित्रण किया जा सकता है।डिजिटल माध्यम और सोशल मीडिया के जरिए इन स्थलों का प्रचार किया जा सकता है।

यह एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को सशक्त करेगा।

एक राज्य एकपर्यटन शुभंकर राज्यों के पशुओं और प्रतीकों को पर्यटन शुभंकर के रूप में अपनाया जा सकता है।

यह विशेष रूप से बच्चों के बीच पर्यटन शिक्षा को रोचक बना सकता है।इससे राज्यों की अलग पहचान बनेगी।पर्यटन ब्रांड को नई ऊर्जा मिलेगी।

जी-20 अध्यक्षताऔर वैश्विक अवसर आज की मांग है।भारत की जी-20 अध्यक्षता ने देश को विश्व मंच पर प्रस्तुत होने का अवसर दिया।अतिथि देवो भव की परंपरा ने भारत की सांस्कृतिक छवि को मजबूत किया।विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के आगमन से भारत की पर्यटन क्षमता को वैश्विक पहचान मिली। इसका लाभ आने वाले वर्षों में पर्यटन क्षेत्र को मिलेगा। भविष्य की संभावनाएं भारत के लिए सुनहरा समय पर्यटन से सरकार की आय लगातार बढ़ रही है। जम्मू कश्मीर जैसे राज्यों में पर्यटन आर्थिक पुनरुत्थान का आधार बन चुका है।आने वाले समय में भारत के लिए पर्यटन को लेकर अनुकूल परिस्थितियां हैं।सही नीति और सतत दृष्टिकोण से भारत विश्व का प्रमुख पर्यटन केंद्र बन सकता है।

विकास और संरक्षण का संतुलन राष्ट्रीय पर्यटन दिवस केवल एक उत्सव नहीं है।यह भारत के आर्थिक सामाजिक और सांस्कृतिक भविष्य की दिशा को दर्शाता है।यदि भारत जिम्मेदार समावेशी और हरित पर्यटन को अपनाता है तो पर्यटन राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम सिद्ध होगा।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्ययकार,स्तम्भकार)

सम्पादकीय

न्याय पालिका की विश्वसनीयता में कमी क्यों

पिछले एक दशक में भारतीय न्यायपालिका की भूमिका को लेकर लगातार गंभीर सवाल उठ रहे हैं। संविधान ने न्यायपालिका को लोकतंत्र का प्रहरी बनाकर सर्वोच्च स्थान दिया है। कार्यपालिका और विधायिका पर न्यायपालिका का संवैधानिक नियंत्रण, नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण, कानून और नियमों का राज, सभी के लिए समान अवसर यह सुनिश्चित करना न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। संवैधानिक संस्थाएँ अपने दायित्व का सही ढंग से निर्बाह कर रही हैं, या नहीं। इस पर नियंत्रण रखने की मूल जिम्मेदारी न्यायपालिका की है। गणतंत्र के 76वें वर्ष में खड़े होकर जब हम देखते हैं, तो वर्तमान की तस्वीर पहले जैसी स्पष्ट और भरोसेमंद नजर नहीं आती है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका मे भ्रष्टाचार बढ़ा है। जिस तरह के निर्णय आ रहे हैं, और टिप्पणियां हो रही हैं, उसको लेकर न्यायपालिका के ऊपर नागरिकों का दिन प्रतिदिन विश्वास घटता चला जा रहा है। बीते वर्षों में कई ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं, जिसने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। न्यायाधीशों की नियुक्ति मे कॉलेजियम बनाम सरकार का टकराव, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जजों की ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस, सुप्रीम कोर्ट में मनमाने तरीके से न्यायाधीशों की बेंच में मामलों की सुनवाई संवैधानिक पीठों के गठन में देरी, महत्वपूर्ण याचिकाओं को वर्षों तक लंबित रखना, राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों की सुनवाई वर्षों तक लंबित रखने, आधे-अधूरे निर्णय देना, आदेश के स्थान पर टिप्पणियां करना। यह सब इस बात का संकेत देते हैं। न्यायिक व्यवस्था में विचारधारा सरकार का दबाव और भेदभावपूर्ण निर्णय देने का चलन बढ़ा है। सरकार मनमाने निर्णय ले रही है। न्यायपालिका कई मामलों में अपेक्षित निर्णय नहीं ले रही है। न्यायपालिका सरकार के प्रति वह कठोरता नहीं दिखा रही, जो संविधान और कानून नियम के अनुसार जरूरी है। नागरिकता कानून, अनुच्छेद 370, चुनावी बांड, जांच एजेंसियों की मनमानी कार्यवाही, नागरिकों की धार्मिक राजनीतिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे विषयों पर न्यायिक सक्रियता की धीमी गति ने न्यायपालिका के प्रति नागरिकों के विश्वास को कमजोर किया है। नागरिकों की यह धारणा बनने लगी है, न्यायपालिका पर कार्यपालिका का दबाव बढ़ गया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के मनमाने तरीके से ट्रांसफर किए जा रहे हैं। फैसलों को लेकर सरकार का अप्रत्यक्ष दबाव बढ़ता जा रहा है। जिसके कारण हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से अब लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। सबसे चिंताजनक आरोप न्यायपालिका पर यह लग रहा है, कि अब 'अमीरों के लिए अलग न्याय और गरीबों के लिए अलग न्याय' की स्थिति बनती जा रही है। जमानत के मामलों में असमानता, धार्मिक आधार पर भेदभावपूर्ण फैसले, वर्षों से जेलों में बंद विचाराधीन कैदी, प्रभावशाली आरोपियों को त्वरित राहत मिलने, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, एसआईआर मामले की सुनवाई में तारीख पर तारीख के बीच बिहार विधानसभा के चुनाव हो जाना, इस तरह के सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं। जिससे आम नागरिकों एवं न्यायविदों के मन में न्याय के प्रति अविश्वास देखने को मिल रहा है। न्यायपालिका को सरकार का संरक्षण मिलने और बदले में सरकार के हितों के प्रति नरमी दिखाने के कई फैसलों की चर्चा लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। इस स्थिति का सीधा प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ रहा है। न्यायपालिका पर विश्वास कमजोर होता है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। संविधान की रक्षा का दायित्व न्यायपालिका के ऊपर है। यही लोगों के लिए अंतिम विश्वास के रूप में बना हुआ था जो अब खंडित हो रहा है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है, कि नागरिकों का विश्वास न्यायपालिका के प्रति कैसे बना रहे? इसके लिए न्यायिक स्वतंत्रता जरूरी है। न्यायाधीशों और न्यायालयों को वास्तविक संरक्षण प्राप्त हो, नियुक्तियों और तबादलों में पारदर्शिता बढ़ाई जाए। संवेदनशील मामलों में समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। गरीब और वंचित वर्ग के लिए त्वरित संवेदनशील न्याय की व्यवस्था मजबूत की जाए। न्यायाधीशों के आचरण में प्रदर्शित हो। न्यायपालिका के फैसलों में स्पष्टता हो। सुप्रीम कोर्ट पूर्व में दिए गए निर्णयों एवं संवैधानिक बेंच द्वारा दिए गए निर्णयों का वर्तमान न्यायाधीश सम्मान करें। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो फैसले दिए जा रहे हैं, वह स्पष्ट हों, फैसला संविधान कानून और नियम के अनुसार किए गए हैं। यह परीलिक्षित हो। न्यायपालिका की ताकत उसकी साख में है। न्यायपालिका की साख कमजोर हुई, तो पूरा लोकतांत्रिक ढांचा संकट में पड़ जाएगा। आवश्यकता है, न्यायपालिका अपने भीतर झाँके। आत्ममंथन करे, अपने फैसलों से नागरिकों का अटूट विश्वास अर्जित करे। बिना भरोसे का न्याय औपचारिक बन जाता है। ऐसी स्थिति में लोग न्यायपालिका के स्थान पर गुंडे और बदमाशों के पास जाकर न्याय पाने की चेष्टा करते हैं। न्याय पाने के लिए राजनेताओं के पास जाने लगते हैं। ऐसी स्थिति में भीड़-तंत्र स्वयं न्याय पाने के लिए सड़कों पर उतरने लगता है। भारत की न्यायपालिका को अपनी साख बेहतर बनाने की दिशा में काम करना होगा। अन्यथा स्थिति बहुत खराब हो सकती है।

चिंतन-मनन

क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है। हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की। विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शास्त्रों में इन्हें आदिपुरूष कहा गया है। आदि पुरूष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता हैं।

वोट की ताकत हमारा संवैधानिक अधिकार है

डॉ. अशोक कुमार भार्गव

हमें गर्व है कि हम दुनिया के सबसे सशक्त, सफल, परिपक्व लोकतांत्रिक गणराज्य के नागरिक हैं। लोकतंत्र न केवल सर्वोत्तम शासन पद्धति है वरन एक शैली है जीवन यापन की, एक विधि और दर्शन है। इस व्यवस्था में स्वतंत्र निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव लोक आस्था, लोक निष्ठा के प्रतीक होते हैं। चुनाव लोकतंत्र की आत्मा है और मतदाता ही लोकतंत्र के भाग्य विधाता है। चुनाव के बिना लोकतंत्र और लोकतंत्र के बिना चुनाव दोनों अर्थहीन हो जाते हैं ।

25 जनवरी 1950 अर्थात भारत निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस को पूरे देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाते हैं। इसका उद्देश्य भारतीय नागरिकों को मतदाता के रूप में उनके अधिकारों और दायित्वों के प्रति जागृत करना है। यह परंपरा वर्ष 2011 से प्रारंभ हुई है। निर्वाचनआयोग एक स्वायत्त संवैधानिक निकाय है जो भारत में संघ एवं राज्य निर्वाचन प्रक्रियाओं का संचालन करने के लिए उत्तरदायी है। यह निकाय ही भारत में लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं, देश में राष्ट्रपति,उपराष्ट्रपति के पदों के निर्वाचनों का संचालन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हमें गर्व है कि हम दुनिया के सबसे सशक्त, सफल, परिपक्व लोकतांत्रिक गणराज्य के नागरिक हैं। लोकतंत्र न केवल सर्वोत्तम शासन पद्धति है वरन एक शैली है जीवन यापन की, एक विधि और दर्शन है। इस व्यवस्था में स्वतंत्र निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव लोक आस्था, लोक निष्ठा के प्रतीक होते हैं। चुनाव लोकतंत्र की आत्मा है और मतदाता ही लोकतंत्र के भाग्य विधाता है। चुनाव के बिना लोकतंत्र और लोकतंत्र के बिना चुनाव दोनों अर्थहीन हो जाते हैं ।

भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार डॉ. अंबेडकर ने प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा का सम्मान करते हुए मतदान के अधिकार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। भारतीय संविधान की सबसे बड़ी विलक्षणता ही यह है कि वह देश के प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के न केवल वोट देने की ताकत देता है वरन प्रत्येक वोट का मूल्यांकन भी समान करता है। यह ताकत प्रत्येक मतदाता का न केवल संवैधानिक अधिकार है वरन उसकी जिम्मेदारी भी और जिम्मेदारी सिर्फ ओढ़ने के लिए नहीं होती वरन निभाने के लिए होती है। जो मतदाता अपने इस मूल्यवान अधिकार का उपयोग नहीं करते वे न केवल लोकतंत्र की बुनियाद को कमजोर करते हैं वरन राष्ट्र के भविष्य के साथ खिलवाड़ भी करते हैं। भारत में सन 1952 से निरंतर एक निश्चित समय अंतराल पर लोकसभा और विधानसभाओं के निर्वाचन संपन्न हो रहे हैं । चुनाव में मतदान का प्रतिशत है यद्यपि अपेक्षाकृत बड़ा है किंतु फिर भी एक बहुत बड़ा तबका अर्थात 30 से 35% मतदाता आज भी कोउ नृप होय हमें का हानीकी दूषित मानसिकता के चलते मतदान के प्रति निष्क्रिय, उदासीन और विमुख है। वोट देने की ताकत राष्ट्र के विकास या विनाश की निर्णायक शक्ति होती है। अक्सर वोट न देने वाले मतदाता सरकार की नाकामी पर गरियाते रहते हैं, तर्क कुतर्क वितर्क करते रहते हैं। ऐसे ही एक याचिकाकर्ता को आढे हाथों लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई थी कि अगर आप वोट नहीं देते हैं तो किसी काम के लिए आपके पास सरकार पर तोहमत लगाने का अधिकार भी नहीं है।

इसलिए समावेशी और सहभागी लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करने के लिए नए मतदाताओं को प्रोत्साहित करना, उन्हें सुविधाएं देना, उनका नामांकन बढ़ाना , उन्हें सशक्त, सतर्क, सुरक्षित और वोट देने के अधिकार के प्रति जागरूक करना अपरिहार्य होता है। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं को सुव्यवस्थित शिक्षण हेतु कई सामान्य और लक्षित हस्तक्षेपों पर आधारित 360 डिग्री संचार का राष्ट्रव्यापी स्वीप कार्यक्रम वर्ष 2009 से प्रारंभ कियाहै। फल स्वरुप मतदान का प्रतिशत बढ़ा है, जेंडर गैप कम हुआ है, मतदान केंद्र पर हिंसा लूट और मतदान के बहिष्कार जैसी घटनाएं कम हुई है, नए युवा मतदाता शतप्रतिशत जुड़ रहे हैं, नामांकन बढ़ रहा है और सूचित, नैतिक, स्वतंत्र प्रोत्साहित वोटिंग प्रत्येक मतदान केंद्र पर बढ़ रही है। यह एक कटु सत्य है कि चुनाव का लोकतांत्रिक अनुष्ठान मतदाताओं के मतों की आहुतियों के बिना फलीभूत नहीं हो सकता क्योंकि लोकतंत्र का स्वरूप वैसा ही होता है जैसे उसके नियंता होते हैं और लोकतंत्र में मतदाता ही लोकतंत्र के असली मालिक और नियंता होते हैं। वे अपनी सरकार, अपने लिए, अपने ही द्वारा चुनते हैं। अत: लोकतंत्र में एक मतदाता का अज्ञान भी सबकी सुरक्षा को संकट में डालने के लिए पर्याप्त होता है। क्योंकि जम्हूरियत वह तर्जे हुकूमत है कि जिसमें बंदों को तोला नहीं गिना करते हैं अर्थात एक-एक वोट महत्वपूर्ण होता है। एक एक वोट से हार जीत होती है। यों तो लोकतंत्र में हम लोक कहलाना पसंद करते हैं किंतु तंत्र का हिस्सा नहीं बनते। अत: संविधान प्रदत्त वोट डालने के अपने मूल्यवान अधिकार का हर संभव परिस्थितियों में उपयोग करना चाहिए। हम भारत के लोग परम सौभाग्यशाली हैं कि हमें 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान के लागू होते ही सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की अनुपम सौगात बिना किसी संघर्ष के प्राप्त हो गई जबकि वैश्विक स्तर पर इसे प्राप्त करने का इतिहास आंदोलनों, प्रदर्शनों और संघर्षपूर्ण अभियानों का रहा है।19वीं सदी के प्रारंभ में लोकतंत्र के लिए होने वाले संघर्ष प्राय: राजनीतिक समानता, आजादी और न्याय जैसे मानवीय मूल्यों को लेकर ही होते थे किंतु सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की मांग प्रमुख होती होती थी। यूरोप के अधिकांश देश जो लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपनाते जा रहे थे वह भी सभी लोगों को वोट देने की अनुमति नहीं देते थे। कुछ देशों में केवल उन्हीं लोगों को वोट देने का अधिकार था जिनके पास संपत्ति थी या वे बड़े जमींदार, सामंत अथवा पादरी थे। महिलाओं के साथ भेदभाव होता था और वोट देने का अधिकार मिलता ही नहीं था। संयुक्त राज्य अमेरिका में अश्वेतों को 1965 तक मतदान का अधिकार नहीं मिला। कई देशों में मताधिकार को प्राप्त करने के लिए साक्षरता की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होता था।

वैश्विक स्थिरता के लिए छोटे राज्यों की संप्रभुता जरूरी

अमित पांडेय

दावोस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मौजूदगी और ग्रीनलैंड पर उनके दावे ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि छोटे राष्ट्रों की संप्रभुता का सम्मान क्यों इतना महत्वपूर्ण है। यह विवाद केवल अमेरिका और यूरोप के बीच का तनाव नहीं है, बल्कि पूरी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की दिशा तय करने वाला क्षण है। ग्रीनलैंड, जो डेनमार्क साम्राज्य का हिस्सा है, आर्कटिक क्षेत्र में अपनी सामरिक स्थिति और प्राकृतिक संसाधनों के कारण लंबे समय से महाशक्तियों की निगाहों में रहा है। अमेरिका ने 1946 में भी ग्रीनलैंड को खरीदने का प्रस्ताव रखा था, जिसे डेनमार्क ने अस्वीकार कर दिया था। आज जब जलवायु परिवर्तन आर्कटिक को नए समुद्री मार्गों और खनिज संपदा के द्वार खोल रहा है, तो ग्रीनलैंड का महत्व और भी बढ़ गया है। यही कारण है कि ट्रम्प का दबाव और यूरोप का प्रतिरोध केवल वर्तमान राजनीति नहीं, बल्कि ऐतिहासिक निरंतरता का हिस्सा है। ट्रम्प का यह कहना कि यदि यूरोप ने उनके ग्रीनलैंड अधिग्रहण की राह में बाधा डाली तो वे अतिरिक्त टैरिफ लगाएंगे, केवल आर्थिक धमकी नहीं है। यह उस अमेरिकी नीति का हिस्सा है जिसमें सहयोगियों पर भी दबाव डालकर राष्ट्रीय हित साधने की कोशिश की जाती है। यूरोपीय संघ की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने स्पष्ट कहा कि यूरोप संवाद को प्राथमिकता देता है, लेकिन यदि आवश्यक हुआ तो कार्रवाई करने के लिए तैयार है। यह बयान यूरोप की उस नई आत्मनिर्भरता की दिशा को दर्शाता है जिसमें वह अमेरिकी दबाव से मुक्त होकर अपनी रणनीतिक पहचान गढ़ना चाहता है। इतिहास हमें बताता है कि जब भी महाशक्तियों ने छोटे राष्ट्रों की संप्रभुता को चुनौती दी है, तो वैश्विक असंतुलन पैदा हुआ है। 19वीं सदी में अफ्रीका और एशिया के उपनिवेशीकरण ने विश्व व्यवस्था को अस्थिर किया था। ग्रीनलैंड पर अमेरिकी दावे को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। यह केवल एक द्वीप का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह उस मूलभूत अधिकार का प्रश्न है कि किसी क्षेत्र का भविष्य उसके लोगों और वैध सरकार द्वारा तय किया जाएगा, न कि बाहरी दबाव से। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारर ने सही कहा कि ग्रीनलैंड की सुरक्षा और संप्रभुता मौलिक है। यह बात और भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि आर्कटिक क्षेत्र जलवायु परिवर्तन के कारण तेजी से बदल रहा है। नए समुद्री मार्गों के खुलने से रूस, चीन और अमेरिका जैसी शक्तियों की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। ऐसे में ग्रीनलैंड का नियंत्रण केवल भूगोल का नहीं, बल्कि वैश्विक व्यापार और सुरक्षा का भी प्रश्न है। नाटो पर ट्रम्प के हमले और यूरोपीय सहयोगियों के प्रति उनकी अवमानना यह दिखाती है कि अमेरिका अपने पारंपरिक गठबंधनों को भी आर्थिक और सामरिक दबाव के औजार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। लेकिन यूरोप का यह कहना कि वह पूरी तरह तैयार है, एक नए संतुलन की ओर इशारा करता है। यह संतुलन शायद उस बहुध्रुवीय विश्व की ओर ले जाएगा जिसमें अमेरिका अकेला निर्णायक शक्ति नहीं रहेगा। यह विवाद हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या वैश्विक राजनीति अब केवल शक्ति से परिभाषित होगी या फिर संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान भी इसमें जगह बनाएगा। यदि अमेरिका ग्रीनलैंड पर दबाव बनाए रखता है और यूरोप प्रतिरोध करता है, तो यह संघर्ष केवल अटलांटिक के दोनों किनारों तक सीमित नहीं रहेगा। यह वैश्विक व्यवस्था की दिशा तय करेगा। भारत जैसे देशों के लिए भी यह विवाद महत्वपूर्ण है। क्योंकि यह दिखाता है कि छोटे राष्ट्रों की संप्रभुता की रक्षा करना केवल नैतिक प्रश्न नहीं है, बल्कि यह वैश्विक स्थिरता का आधार है। यदि ग्रीनलैंड जैसे क्षेत्र पर बाहरी दबाव सफल होता है, तो यह मिसाल अन्य जगहों पर भी लागू हो सकती है। अंतत:, ग्रीनलैंड विवाद हमें यह याद दिलाता है कि शक्ति का असली परीक्षण यह नहीं है कि कोई महाशक्ति कितनी भूमि या संसाधन पर कब्ज़ा कर सकती है, बल्कि यह है कि वह अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में कितनी स्थिरता और न्याय सुनिश्चित कर सकती है।

खास बात

दावोस की बैठक में नहीं पहुंचे मोदी

स्विट्जरलैंड के दावोस में चल रही विश्व आर्थिक मंच की बैठक में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड टंप विवादों के बीच पहुंचे। वहीं पर उन्होंने नाटो की बैठक बुलाने के लिए कहा।नाटो के प्रमुख मार्क रूट से ट्रंप ने फोन पर बात की। ग्रीनलैंड के मुद्दे पर उन्होंने समझौते की पेशकश की। इतनी महत्वपूर्ण बैठक में भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी शामिल नहीं हुए। इसको लेकर वैश्विक स्तर पर चर्चा हो रही है। जब सारी दुनिया में अफरा तफरी का माहौल बना हुआ है। तब भारत का बैठक में शामिल नहीं होना चर्चा का विषय बना हुआ है।

नितिन नवीन से भाजपा में नवीन युग की शुरुआत?

भारतीय जनता पार्टी के 12 वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन की नियुक्ति हुई है। यह सबसे कम उम्र के सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। उनके कार्यभार संभालने पर भाजपा में कहा गया,यह पार्टी के नवीन युग की शुरुआत है।भाजपा के अभी तक जो 11 अध्यक्ष हुए हैं। उन सभी को पीछे छोड़ते हुए भाजपा अब नवीन युग की ओर आगे बढ़ रही है। 11 राष्ट्रीय अध्यक्षों का कार्यकाल भाजपा ने देख लिया है।12 वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यकाल का नवीन युग कैसा होगा। इसको लेकर तरह-तरह की चर्चा होने लगी है।

ब्रिटेन और अमेरिका के बीच में तनातनी

अमेरिका आज जहां खड़ा है। उसको बनाने में ब्रिटेन ने उसकी हमेशा मदद की। एक समय था, ब्रिटेन के राज मैं सूरज कभी डूबता नहीं था। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन की सहायता से अमेरिका ने सारी दुनिया में अपना नेतृत्व स्थापित किया। अब वही अमेरिका ब्रिटेन को आंखें दिखा रहा है। ब्रिटेन की संसद ने डोनाल्ड ट्रंप को गैंगस्टर बता दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन और फ्रांस में 200 फ़ीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जब समय खराब आता है, तो सबसे पहले बुद्धि भ्रष्ट होती है। यही अब डोनाल्ड ट्रंप के साथ होता हुआ दिख रहा है।

शंकराचार्य ने दिया योगी सरकार को जवाब

ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार को कड़ा जवाब दिया है। जब कुंभ का मेला हुआ था। उसके प्रचार प्रसार में उत्तर प्रदेश की सरकारी पत्रिका में सरकार ने अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य बताया था।अब शंकराचार्य नहीं है। यह कहकर नोटिस भेजा है। शंकराचार्य ने कहा उत्तर प्रदेश का मेला प्रशासन अपनी गलती को ढकने के लिए इस तरह के नोटिस भेज रहा है। शंकराचार्य के वकील ने कहा, वह सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर करेंगे। प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की गलत व्याख्या करते हुए शंकराचार्य के खिलाफ कार्यवाही की है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, माघ शुक्ल पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रास्त पूर्वे तिथी सप्तमी, रविवासरे, रेवती नक्षत्रे, सिद्ध योगे, गरकरणे, सुबह मेष की चंद्रमा, भद्रा 34/49 आंवला सप्तमी व्रत, पंचक समाप्त तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक, योग्य, बुद्धिमान, लेखक, कवि, बैंक कर्मचारी, अधिकारी, आफिसर, लेखापाल, बैंक मैनेजर तथा उत्तम व्यापारी शासक प्रशासक बनेगा।

मेष राशि- धन का व्यय संभव है, तनाव पूर्ण वार्ता से बचिएगा, कार्य का ध्यान अवश्य रखें।

वृष राशि- अधिकारियों के समर्थन से सफलता, कार्य कुशलता से संतोष होवे, बिगड़े कार्य बनेंगे।

मिथुन राशि- चिन्ताएं कम हो, सफलता के साधन जुटाए तथा शुभ समाचार अवश्य मिलेंगे।

कर्क राशि- बड़े-बड़े लोगों से मेल मिलाप होवे तथा सुख समृद्धि के साधन अवश्य बनेंगे।

सिंह राशि- स्त्रीवर्ग से हर्ष उल्लास होवे, भोग कार्य की प्राप्ति होगी, कार्य गति उत्तम बनें।

कन्या राशि- प्रतिष्ठा बाल बाल बचें, संघर्ष से अधिकार प्राप्त करें, भाग्य का साथ दें।

तुला राशि- कुटुम्ब और धन की चिन्ता बनी रहे, परिश्रम से सोचे कार्य अवश्य ही बनेंगे, ध्यान दें।

वृश्चिक राशि- प्रत्येक कार्य में बाधाएं, क्लेश युक्त रखे, स्थिति साम्थर्य के योग अवश्य बनें।

धनु राशि- भावनाएं विक्षुब्ध रखे, दैनिक कार्यगति मंद रहे, परिश्रम से कार्य अवश्य बनेंगे।

मकर राशि- तनाव क्लेश व अशांति, धन का व्यय, मानसिक खिन्नता, अवश्य बनेगी।

कुंभ राशि- कार्य कुशलता से संतोष, व्यवसायिक समृद्धि के साधन।

मीन राशि- कुटुम्ब के कार्यों में समय बीतें तथा हर्षप्रद समाचार प्राप्त हो।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

25 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.52 बजे से
चंद्र	मेष में	मीन	09.25 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	10.55 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.35 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	14.34 बजे से
शुक्र	मकर में	कर्क	16.47 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	19.03 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	21.15 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	23.26 बजे से
		वृश्चिक	01.40 ब.से
		धनु	03.56 बजे से
		मकर	06.02 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2026 वर्ष का 25 दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 23.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 13.36 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 11.46 बजे को समाप्त।
करण गर 11.59 बजे तदनन्तर वणिज 23.11 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 6.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 01'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872600
जूलियन दिन 2461065.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान
तारीख 05
विशेष रथ सप्तमी, नर्मदा जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

आरआरयू में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक रिसर्च कॉन्फ्रेंस का दूसरा संस्करण 27 जनवरी से

गांधीनगर। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय(आरआरयू) स्थित भारत सेंटर ऑफ ओलंपिक रिसर्च एंड एजुकेशन (बीसीओआरई) में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक रिसर्च कॉन्फ्रेंस के दूसरे संस्करण का आयोजन 27 से 30 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। इसे अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से मान्यता प्राप्त है। इस प्रतिष्ठित सम्मेलन का उद्देश्य ओलंपिक अध्ययन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय विद्वानों, विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और शोधकर्ताओं को एक साझा मंच पर लाना है। यह सम्मेलन बीसीओआरई हर वर्ष इसी माह में आयोजित करता है। इसमें 15 देशों से आने वाले 55 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वक्ता और प्रस्तुतकर्ता भाग लेंगे। सम्मेलन में वैश्विक प्रशासन, पारदर्शिता, ओलंपिक आंदोलन, कॉमनवेल्थ गेम्स, एंटी-डोपिंग, किफायती खेल तकनीक समाधान, खेल शिक्षा का महत्व जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही ओलंपिक आंदोलन, खेल विज्ञान, नीति और शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर 100 से अधिक शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। इस वर्ष के सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण एंटी-डोपिंग पर केंद्रित विशेष कार्यशाला और चर्चा सत्र होगा, जिसका आयोजन नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (एनएडीए) के सहयोग से किया जाएगा।

नेपाली कांग्रेस ने नवनिर्वाचित पार्टी अध्यक्ष थापा को पीएम पद का उम्मीदवार घोषित किया

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष गगन थापा को पार्टी की तरफ से आगामी आम चुनाव के लिए प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार भी घोषित किया गया है। पार्टी मुख्यालय में गगन थापा के पदभार संभालने के बाद पार्टी ने औपचारिक रूप से इसकी घोषणा की। काठमांडू में आयोजित विशेष महाधिवेशन के माध्यम से थापा पार्टी अध्यक्ष चुने गए थे। पदभार संभालते ही उन्होंने अपना पहला औपचारिक संकल्प पत्र भी हस्ताक्षर किया, जिसमें आंतरिक सुधार और राष्ट्रीय रूपांतरण का वादा दोहराया गया। नव-निर्वाचित पदाधिकारियों और केंद्रीय सदस्यों के पदभार ग्रहण के बाद कांग्रेस की केंद्रीय कार्यसमिति की पहली बैठक में 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव के लिए उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नामित करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया। यह प्रस्ताव उपाध्यक्ष विश्वप्रकाश शर्मा ने रखा था, जिसका समर्थन उपाध्यक्ष पुष्पा भुसाल ने किया। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा, 'हमने संस्थागत रूप से गगन थापा को अगले प्रधानमंत्री के रूप में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया है।' उन्होंने स्वीकार किया कि नेपाल में परंपरागत रूप से चुनाव के बाद प्रधानमंत्री चुना जाता है लेकिन वर्तमान परिस्थिति में अलग दृष्टिकोण आवश्यक था।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार, एक्यूआई 192 दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता में निरंतर हो रहे सुधार के चलते शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का स्तर 200 के नीचे (192) आ गया। इस सुधार के बाद अब एक्यूआई 'मध्यम' श्रेणी में पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में आज एक्यूआई 192 दर्ज किया गया। गाजियाबाद का 203, नोएडा का 184, ग्रेटर नोएडा का 170, गुरुग्राम का 225 और फरीदाबाद का एक्यूआई 206 रहा, जो खराब श्रेणी में माना जाता है। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ स्थानों का एक्यूआई शुक्रवार की अपेक्षा आज 'बेहद खराब' श्रेणी से घटकर 'खराब' श्रेणी में पहुंच गया। कुछ जगहों का 'खराब' श्रेणी से घटकर 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज किया गया है। 'खराब' श्रेणी में शामिल इलाकों में से सीरी फोर्ट का शाम 4 बजे तक एक्यूआई 241, वजीरपुर का 234, आनंद विहार का 232, चांदनी चौक का 230, पंजाबी बाग का 226 रोहिणी का 213 और नरेला का 202 दर्ज किया गया।

बालिकाएं समाज की शक्ति व प्रगति का आधार : अन्नपूर्णा

नई दिल्ली। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि बालिकाएं समाज की शक्ति और प्रगति का आधार हैं। उनकी शिक्षा, सुरक्षा और समान अधिकार सुनिश्चित करना एक सशक्त राष्ट्र की पहचान है। शनिवार को राष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय निरंतर बालिकाओं के सर्वांगीण विकास, संरक्षण और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध भाव से कार्य कर रहा है। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर सभी को संकल्प लेना चाहिए कि हर बालिका को अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिले। इसके साथ उन्होंने आह्वान किया कि बालिकाओं के लिए सुरक्षित, समावेशी एवं सम्मानजनक वातावरण बनाया जाए जहां वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें।

संतों ने मां श्रृंगार गौरी की विधिवत पूजा कर रामकथा का किया शुभारंभ

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) में शनिवार को संतों ने ज्ञानवापी परिसर स्थित मां श्रृंगार गौरी का विधिवत पूजन के बाद नौ दिवसीय नवान्ह पारायण रामकथा का शुभारंभ किया। इस दौरान संतों के हर-हर महादेव के उद्घोष से परिसर गुंजायमान रहा। माघ माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि से श्री काशी विश्वनाथ धाम में रामकथा साधु-संतों की उपस्थिति में होगी। कथा वाचक संत श्री काशी विश्वनाथ को कथा सुनाएंगे। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जीतेन्द्रानंद ने बताया कि यू तो काशी विश्वनाथ मंदिर को इतिहास में सात बार तोड़ा गया। 19 अप्रैल 1669 को औरंगजेब के आदेश से जब टूटा तो उस समय काशी के वैदिक ब्राह्मणों ने तय किया कि क्या प्रमाण रहेगा कि हमारा मंदिर यही था।

जल्द हटाया जाएगा रामेश्वरम का पुराना पाम्बन रेल पुल, तेजी से शुरू हुए कार्य

रामेश्वरम ■ एजेंसी

नया पाम्बन पुल बनकर उपयोग में आ चुका है। इसके चलते अगले 4 महीनों के भीतर पुराने पाम्बन रेल पुल को हटाने का कार्य तेज़ कर दिया गया है।

तमिलनाडु के मंडपम मुख्य भूमि और रामेश्वरम द्वीप को जोड़ने में पाम्बन रेल पुल और इंदिरा गांधी सड़क पुल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वर्ष 1914 में पाम्बन रेल पुल (शेर्ज़र्स ब्रिज) का उद्घाटन हुआ था और उसी के साथ रेल यातायात शुरू हुआ। यह भारत में समुद्र के बीच बना पहला रेल पुल है।

जहाज़ों के आवागमन को ध्यान में रखते हुए इस पुल में रेलवे ट्रैक के बीच एक लिफ्ट ब्रिज बनाया गया था, जो इसकी विशेषता रही है। 1964 में आए चक्रवात में यह पुल क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसके बाद इसका पुनर्निर्माण कर

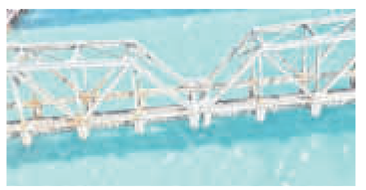

फिर से उपयोग में लाया गया।

100 वर्षों से अधिक पुराने इस पुल में बार-बार तकनीकी समस्याएं आने लगीं। इसके चलते वर्ष 2019 में नए पुल की आधारशिला रखी गई और 2020 में निर्माण कार्य शुरू हुआ। पाँच वर्षों तक चले निर्माण कार्य के बाद, पिछले वर्ष 6 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नए पाम्बन रेल पुल का उद्घाटन किया।

अब रेलवे प्रशासन ने पुराने पाम्बन पुल को हटाने का निर्णय लिया है। रेलवे विकास निगम लिमिटेड (RVNL) ने अगस्त महीने में 2.3 किलोमीटर लंबे इस पुल के बीच स्थित लिफ्ट ब्रिज, गर्डर ब्रिज और रेलवे ट्रैक को 2.53 करोड़ रुपये की लागत से हटाने के लिए निविदा जारी की थी।

निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब भूमि पूजन किया गया है और अगले चार महीनों में कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। चूंकि यह पुल ऐतिहासिक महत्व का है इसलिए इसे हटाते समय क्षति से बचाने के लिए पुल को चरणबद्ध तरीके से काटकर हटाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए पुल के विभिन्न हिस्सों पर क्रम संख्या अंकित की गई है। अगले महीने से कर्मचारियों द्वारा चरणबद्ध रूप से पुल हटाने का कार्य शुरू किया जाएगा। 111 वर्ष पुराने ऐतिहासिक पाम्बन लिफ्ट ब्रिज को समुद्र से निकाल कर रेलवे संग्रहालय में रखने जाने की तैयारी है।

उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का भव्य शुभारम्भ किया

अमित शाह का विपक्ष पर निशाना भाजपा सरकार दोहराने की अपील

लखनऊ ■ एजेंसी

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ के बसंत कुंज योजना स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का भव्य शुभारम्भ किया। इस अवसर पर अमित शाह ने विपक्ष को परिवारवादी पार्टी कहते हुए उप्र की जनता से 2027 में एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनाने की अपील की।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं उप्र वासियों का अभिनंदन करता हूं और हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को आज हम दोहराएंगे कि 2047 में जब हम आजादी मना रहे होंगे तो भारत विकसित होगा। विकसित भारत का इंजन उत्तर प्रदेश बनने जा रहा है। हमारी उप्र की सरकार ने इस स्थल(राष्ट्र प्रेरणा स्थल) को कूड़े के ढेर से बदलकर कंचन बनाने का कार्य किया है। अमित शाह ने योगी सरकार के कार्यों की सरहारना करते हुए कहा कि उप्र सरकार युवाओं को नौकरी देने और रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार कार्य कर रही है। युवाओं को ऋण दिया गया है। आज यहां व्यंजन मेला लगा है। हम 2017 को याद करना चाहेंगे। जब एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) की बात की गयी तो विपक्ष ने सवाल उठाए कि यह कैसे हो सकता है। आज हमारी डबल इंजन की सरकार के नेतृत्व में ओडीओपी योजना पूरे देश में अपने-अपने जिले को नई पहचान दे रही है। रोजगार दे रही है। एक जिला एक व्यंजन योजना के लिए योगी सरकार को शुभकामनाएं देता हूं।

पांच विभूतियों को मिला उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान

इस अवसर पर अंतरिक्ष विज्ञान, शिक्षा, साहित्य, महिला सशक्तिकरण और कृषि जैसे विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर उत्तर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने वाली पांच विशिष्ट विभूतियों को 'उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान 2025-26' से सम्मानित किया गया। गौरव सम्मान 2025-26 से सम्मानित होने वालों में राजधानी लखनऊ निवासी अंतरिक्ष यात्री एवं भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला शामिल हैं। शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले प्रयागराज निवासी अलख पांडेय को उप्र गौरव सम्मान से सम्मानित हुए। अलख पांडेय ने वर्ष 2016 में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए 'फिजिक्स वाला' यूट्यूब चैनल की शुरुआत की।

गृहमंत्री ने कहा कि एक समय में उप्र को मजदूर सप्लाई करने वाला राज्य माना जाता था। बीमारू राज्य के रूप पहचान थी। पिछले तीन वर्षों से उप्र की 17 फीसदी विकास दर रही है। केन्द्र की सारी योजनाएं आज उप्र में धरातल पर उतर रही हैं। पूरा देश जिनकी राह देख रहा था, अयोध्या में राम मंदिर बनाने का वह कार्य भी पूरा हुआ। प्रयागराज में महाकुंभ ने सनातन धर्म पूरी दुनिया में पहुंचाने का कार्य किया है। उप्र में डेटा सेंटर, सेमी कंडक्टर की फैक्टरियां लगी हैं। 2017 से पहले कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। 45 लाख करोड़ निवेश के प्रस्ताव आए। 15 लाख करोड़ के प्रस्तावों को जमीन पर उतारा जा चुका है। आज उप्र विकास के हर रास्ते पर आगे बढ़ गया है। कानून व्यवस्था कायम है। शाह ने कहा कि 2014, 2019 और 2022 के चुनाव में उप्र की जनता ने जिताया है। अगले साल चुनाव है। हम अपील करते हैं कि 2027 में उप्र की जनता प्रचंड बहुमत की सरकार बनाए। ये परिवारवादी पार्टिंया राज्य का भला नहीं कर सकती हैं। वे अपना विकास करती हैं। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की डबल इंजन सरकार ने उप्र को विकास से जोड़ा है। हर गांव में कम से कम 20 घंटा बिजली पहुंच रही है। आने वाले चुनाव में जाति पांति से ऊपर उठकर वंशवादी पार्टियों के खिलाफ सबका साथ सबका विकास करने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार पुनः बनाएं। इस अवसर पर प्रदेश सरकार की ओडीओपी की तर्ज पर एक जिला एक व्यंजन योजना की भी शुरुआत हुई। साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल औद्योगिक क्षेत्र योजना का शुभारम्भ किया गया। साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले बुलंदशहर के बुटना गांव में जन्मे डॉ. हरिओम पंवार इस वर्ष उप्र गौरव सम्मान प्राप्त किया। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मेरठ के नारंगपुर में 22 अक्टूबर 2007 को श्रीमद् दयानंद आर्य कन्या गुरुकुल की स्थापना करने वाली रश्मि आर्य को गौरव सम्मान प्रदान किया गया।

केरल कांग्रेस में अंदरूनी कलह, शशि थरूर ने नेतृत्व की अनदेखी पर जताया असंतोष

नई दिल्ली/कोझिकोड ■ एजेंसी

केरल में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की इकाई में एक बार फिर अंदरूनी कलह सामने आ गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और त्रिवेंद्रम से सांसद डॉ. शशि थरूर ने पार्टी हाईकमान द्वारा उनके साथ किए गए व्यवहार पर खुलकर नाराजगी जताई है।

यह विवाद 19 जनवरी, 2026 को कोच्चि में आयोजित 'महा पंचायत' कार्यक्रम से शुरू हुआ, जहां लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मंच पर आने के बाद थरूर को अपना भाषण छोटा करना पड़ा। वहीं, राहुल गांधी ने अपने संबोधन में थरूर का नाम तक नहीं लिया, जबकि अन्य कई नेताओं का जिक्र किया।

कोझिकोड में शनिवार को मीडिया से बातचीत में शशि थरूर ने कहा कि उन्होंने अपनी शिकायतें पार्टी नेतृत्व को पहले ही लिखित रूप में सौंप दी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया, 'मैं सार्वजनिक बहस से बचना पसंद करता हूं और अपनी चिंताओं को पार्टी के आंतरिक मंचों पर ही उठाता हूं। मीडिया में मेरे असंतोष के बारे में कुछ रिपोर्टें सही हैं, तो कुछ गलत भी।'

दिल्ली में केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) और हाईकमान के बीच केरल में इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर हुई महत्वपूर्ण बैठक में शशि थरूर की अनुपस्थिति ने विवाद को और हवा दी।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, थरूर ने पहले से ही अपनी अनुपस्थिति की जानकारी दे दी थी, क्योंकि वह कोझिकोड में आयोजित केरल लिटरेचर फेस्टिवल में व्यस्त थे। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि असली वजह कोच्चि कार्यक्रम में मिला कथित अपमान है, जहां प्रोटोकॉल का उल्लंघन हुआ और उन्हें साइडलाइन किया गया।

दूसरी ओर, पार्टी के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला ने विवाद को कम करने की कोशिश में थरूर को 'कांग्रेस का अभिन्न अंग' बताया और कहा कि उनकी गैरमौजूदगी अक्सर पेशेवर प्रतिबद्धताओं के कारण होती है, न कि राजनीतिक विरोध के। फिर भी, पार्टी के अंदर तनाव बरकरार है।

थरूर के समर्थक मानते हैं कि पार्टी को उनके अनुभव और योगदान का सम्मान करना चाहिए, जबकि अन्य नेता चुनाव से पहले किसी भी विवाद से बचने की बात कह रहे हैं।

वहीं, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केरल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले यह अंदरूनी कलह कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है। थरूर जैसे प्रभावशाली और अनुभवी नेता की नाराजगी संगठनात्मक एकता, उम्मीदवार चयन और चुनावी रणनीति पर असर डाल सकती है। यदि हाईकमान समय रहते संवाद नहीं स्थापित कर पाया, तो यह पार्टी की एकजुट छवि को नुकसान पहुंचा सकता है और यूडीएफ की संभावनाओं को कमजोर कर सकता है। कांग्रेस अब थरूर और अन्य नेताओं के बीच सामंजस्य बिठाने की कोशिश में जुटी है, ताकि आगामी चुनावों में मजबूत मोर्चा पेश किया जा सके।

सारंडा में नक्सली आत्मसमर्पण करें या कड़े प्रहार के लिए रहें तैयार : डीजीपी

पश्चिमी सिंहभूम ■ एजेंसी

झारखंड के दुर्गम सारंडा जंगल क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी के बाद पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदशा मिश्रा ने कहा है कि सारंडा बहुत जल्द पूरी तरह नक्सल मुक्त हो जाएगा। चाईबासा में शनिवार को आयोजित विशेष प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डीजीपी ने इसे राज्य की आंतरिक सुरक्षा के लिहाज से अबतक की सबसे बड़ी और निर्णायक सफलता करार दिया।

डीजीपी तदशा मिश्रा ने बताया कि यह कार्रवाई केवल एक मुठभेड़ तक सीमित नहीं थी, बल्कि नक्सली संगठनों के शीर्ष नेतृत्व और उनके पूरे नेटवर्क पर सीधा और रणनीतिक प्रहार था। खुफिया एजेंसियों से प्राप्त ठोस जानकारी के आधार पर छोटानागरा थाना क्षेत्र के कुमडीह और बहवा इलाकों में सुरक्षा बलों ने व्यापक घेराबंदी की थी। 22 और 23 जनवरी की रात से शुरू हुई इस कार्रवाई में कई दौर की मुठभेड़ हुई, जिसमें झारखंड पुलिस,

कोबरा बटालियन और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने संयुक्त रूप से मोर्चा संभाला।

डीजीपी ने बताया कि इस ऑपरेशन में एक करोड़ के इनामी कुख्यात नक्सली अनल उर्फ पतिराम मांझी और 25 लाख के इनामी अनमोल का सफाया हुआ, जो नक्सली संगठनों के लिए भारी झटका है। उन्होंने जवानों की साहसिक और अनुशासित कार्रवाई को राज्य के लिए गर्व का क्षण बताया।

डीजीपी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नक्सलियों के पास अब केवल दो ही विकल्प बचे हैं, आत्मसमर्पण या कानून के कड़े प्रहार के लिए तैयार रहना। उन्होंने बताया कि इस अभियान में अब तक 17 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। सुरक्षा बलों ने बड़ी मात्रा में अत्याधुनिक हथियार, जिनमें एके-47 और इंसास राइफलें शामिल हैं, भी जब्त की हैं। मारे गए प्रमुख नक्सलियों में अनल (सीसीएम), अनमोल (बीजेएसएसी), अमित मुंडा (आरसीएम), पिंटू लोहरा और लालजीत जैसे नाम शामिल हैं।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला पहुंचीं नई दिल्ली, जीतिन प्रसाद ने किया स्वागत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भारत के राजकीय दौरे पर नई दिल्ली पहुंच गई हैं। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने उनक स्वागत किया। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा भी यहां जल्दी ही पहुंचेंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में कहा कि राजकीय यात्रा पर आयीं यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन का भारत में स्वागत है। यह दौरा भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी के नए चरण की शुरुआत है। भारत और यूरोपीय संघ दुनिया की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं हैं, जिनकी साझेदारी आपसी विश्वास और साझा मूल्यों पर आधारित है। उल्लेखनीय है कि इतिहास में पहली बार यूरोपीय संघ के नेता भारत के 77वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर ईयू का एक सैन्य दस्ता भी पहली बार कर्तव्य पथ पर परेड करेगा। 27 जनवरी को होने वाले 16वें भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

यह समझौता लगभग 2 अरब लोगों का विशाल बाजार खोलेगा, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग एक-चौथाई हिस्सा है। इससे भारतीय टेक्सटाइल, ज्वेलरी और आईटी

सेक्टर को यूरोप में व्यापक पहुंच मिलेगी। इससे पहले शनिवार सुबह यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास दिल्ली पहुंची थीं। वह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ मिलकर एक भारत-ईयू सुरक्षा और रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करेंगी, जिसमें समुद्री सुरक्षा, साइबर डिफेंस और आतंकवाद विरोधी अभियानों में 'इंटेलीजेंस शेयरिंग' शामिल होगा। मोबिलिटी फ्रेमवर्क पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिससे भारतीयों के लिए यूरोप में काम करने के कानूनी रास्ते और आसान हो जाएंगे।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एनसीसी गणतंत्र दिवस कैंप को संबोधित करते हुए कहा

हर चुनौती के लिए तैयार रहें युवा, एनसीसी कैडेट्स से लें प्रेरणा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में युवाओं को शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से मजबूत रहते हुए हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने युवाओं को एनसीसी कैडेट्स से प्रेरणा लेने की अपील की। राजनाथ सिंह ने दिल्ली कैंट में आयोजित एनसीसी गणतंत्र दिवस कैंप को संबोधित करते हुए एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्र की दूसरी पंक्ति की रक्षा वाहिनी बताया और कहा कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी उत्कृष्ट योगदान दिया।

भारतीय सेना ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान और पीओके में मौजूद आतंकियों को नष्ट कर साहस और संयम का परिचय दिया। उस समय ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने देशभर में

मॉक ड्रिल्स करके लोगों को जागरूक किया था।

उन्होंने युवाओं को महाभारत के अभिमन्यु की तरह बताया जो किसी भी चक्रव्यूह में प्रवेश कर विजय प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की भूमिका को निर्णायक बताया। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं को अनुशासन, देशभक्ति और धैर्य सिखाता है। परेड, ड्रिल और कैंप उन्हें आरामदायक जीवनशैली से बाहर निकालकर मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कैडेट्स को जीवन में केवल प्लान-ए ही नहीं बल्कि प्लान-बी और प्लान-सी भी तैयार रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एनसीसी से प्रशिक्षित कई लोग देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे चुके हैं। परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज पांडे और कैप्टन विक्रम बत्रा एनसीसी कैडेट रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और स्वयं उन्होंने भी एनसीसी प्रशिक्षण लिया था। 1965 और 1971 के युद्धों में एनसीसी कैडेट्स को दूसरी पंक्ति की रक्षा के रूप में तैनात किया गया था।

राजनाथ सिंह ने कहा कि 77वां गणतंत्र दिवस संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने युवाओं से संविधान को समझने और उसमें निहित अधिकारों एवं कर्तव्यों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कैडेट्स द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर लिया और स्किंडिया स्कूल, ग्वालियर के एनसीसी कैडेट्स के बैंड प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने 17 निदेशालयों द्वारा तैयार फ्लैग एरिया का दौरा किया और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी देखीं। कार्यक्रम में आयोजित अधिष्ठापन समारोह (इन्वेस्टिचर सेरेमनी) में रक्षामंत्री ने उत्कृष्ट प्रदर्शन और कर्तव्यनिष्ठा के लिए कैडेट्स को रक्षामंत्री पदक और प्रशस्ति पत्र दिए। जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख निदेशालय की कैडेट अर्पुन दीप कौर और पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम निदेशालय के कैडेट पाल्डेन लेप्चा को पदक दिया गया।

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के 41 ऐसे गांव, जहां अब तक राष्ट्रीय पर्व नही मनाया गया, वहां इस 26 जनवरी को पहली बार तिरंगा फहराया जाएगा। बीते एक साल में नक्सलियों के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले इलाकों में सुरक्षाबलों ने 58 नए सुरक्षा और सुविधा कैंप स्थापित किए हैं। इनमें से 53 कैंप ऐसे हैं, जहां पहले एक बार गणतंत्र दिवस मनाया जा चुका है जबकि 41 कैंप यानी गांव ऐसे हैं, जहां पहली बार कोई राष्ट्रीय पर्व मनाया जाएगा। (एक कैंप यानी एक गांव में स्थापित है) इन्हीं सुरक्षा और सुविधा कैंपों की मजबूत मौजूदगी से जिन गांवों में कभी 26 जनवरी को घरों के दरवाजे बंद रहते थे, वहां अब खुलकर गणतंत्र दिवस की तैयारी हो रही है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि बस्तर का लगभग 95 प्रतिशत इलाका अब नक्सल हिंसा से मुक्त हो गया है।

बच्चे की याददाश्त बढ़ाने ये उपाय करें..

बच्चे की याददाश्त बचपन से ही तेज कैसे रखी जाए। यह बात सभी अभिभाव सोचते हैं। इसके लिए अधिकतर लोग बेहतर खानपान पर जोर देते हैं पर इतना ही काफी नहीं है। याददाश्त बढ़ाने के लिए आपको बच्चे के साथ कुछ छोटी-छोटी दिमागी कसरतें भी करनी होगीं। मान लीजिये अगर आप कहीं घूमने गये हैं और वहां किसी रेस्टोरेंट में खाना खाने गए तो लौटकर उससे जुड़े सवाल करें। घर लौटने के बाद आप बच्चे से रेस्टोरेंट से जुड़ी कुछ बातें पूछिए। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि आप जो सवाल बच्चों से पूछें उनके जवाब आपको भी याद हों। जैसे रेस्टोरेंट में आप किस और बैठे थे वहां किस रंग की फोटो लगी थी या उससे जुड़े कोई खास सवाल। ध्यान रहे ये जवाब आप को भी आने चाहिये।

लेफ्ट-राइट एक्सरसाइज याददाश्त बढ़ाने का बेहद खास तरीका है। इसमें बच्चे के सामने कई सारे खिलौने रखे होते हैं और उन्हें उन खिलौनों को दाईं या बाईं ओर रखने के लिए कहा जाता है। उदाहरण के लिए बच्चे को कुछ गेंदें दीजिए और उन्हें दाईं ओर रखी टोकरी में रखने के लिए कहिए। दूसरे दिन भी उसे गेंद को वहीं रखने के लिए कहिए, पर तीसरे दिन गेंदों को बाईं ओर रखने के लिए कह दीजिए। बच्चे का हाथ पहले दाईं ओर ही बढ़ेगा। पर, लगातार इस तरह के एक्सरसाइज से उसकी मानसिक सतर्कता और याददाश्त मजबूत होगी।' जैसा कि आप जानती ही हैं कि अंग्रेजी में दो तरह के अक्षर होते हैं, स्वर और व्यंजन। अब पढ़ाई के बाद आपको बच्चे के साथ इन्हीं वॉवेल से जुड़ा खेल खेलना है। कागज पर एक बॉक्स बनाएं और उसमें अंग्रेजी के कुछ अक्षर लिखें। बच्चे से उन शब्दों को काटने के लिए कहें, जिसमें वॉवेल न हों। इस तरह से बच्चे की अंग्रेजी तो अच्छी होगी ही, उसकी दिमागी एक्सरसाइज भी होगी।

घर के कामों में लगाएं

किचेन में काम करते हुए बच्चे को भी काम में शामिल कीजिए। उन्हें कुकिंग से जुड़े छोटे-छोटे काम करने के लिए बोलें ताकि वो जान जाएं कि कौन-सी चीज कहां रखी है? अब अगले दिन उन्हें फिर से वही चीजें आपको रसोई से लाकर देने के लिए कहें। इससे होगा यह कि आपको पता चलेगा कि चीजें कहां रखी हैं, बच्चे को यह याद भी है या नहीं। जैसे आप बच्चे से प्याज लाने के लिए बोलिए। अगले दिन जब वो फिर यही काम करेगा तो दिमाग पर जोर डालेगा कि मां ने प्याज कहां रखे थे।

नंबर गेम का कमाल

डिजिट स्पैन मतलब वो एक्सरसाइज जो बच्चे की याददाश्त बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। इसके लिए बच्चे के सामने कुछ अंक बोलिए और उन्हें याद करने के लिए कहिए। अगले दिन बच्चे को आपको वो सारे अंक बताने होंगे। इसके लिए फोन नंबर का इस्तेमाल किया जा सकता है। आप कोई ऐसा नंबर बच्चे के सामने बोलिए जो उसे याद कराना ही हो। अब अगले कुछ दिनों तक बच्चे से वह नंबर नियमित रूप से पूछती रहें। खेल-खेल में उसकी याददाश्त बढ़ेगी।'

इस एक्सरसाइज में बच्चा बेडरूम में ही कहीं भी अपना पसंदीदा खिलौना रख कर आएगा और दूसरे दिन उसे वहां से लेकर भी आएगा। वो भूल ना पाए, इसके लिए आपको संकेत देते रहने होंगे। बच्चे से कहिए कि वो बेडरूम की किसी खास ड्राअर में अपना खिलौना रखे। कुछ देर बाद या दूसरे दिन उससे वही खिलौना लाने के लिए बोलें। इस तरह से वो जब भी अपना सामान कहीं रखेगा तो जगह याद रखेगा। दोबारा उसे वो जगह सोचनी नहीं पड़ेगी।'

होमवर्क खुशी से करेंगे बच्चे..

बच्चों से होमवर्क कराना अभिभावकों के लिए कठिन टास्क होता है। सही मायने में यह किसी चुनौती से कम नहीं। बच्चे स्कूल में भले पढ़ लें, लेकिन घर पर होमवर्क कराना मां के लिए बेहद कठिन होता है। उनके पास होमवर्क न करने के तमाम बहाने होते हैं। ऐसे में कौन-सा तरीका अपनाया जाए, जिससे होमवर्क से बच्चों की

होमवर्क की अहमियत

भरोसा कम होने लगता है। उसे प्रोत्साहित करें। हमेशा अपनी सुविधा और समय का ही ख्याल न रखें, बच्चे के मूड पर भी ध्यान दें। बच्चे के साथ अपना समय बितायें।

प्रेरित करें

आमतौर पर बच्चों से काम पूरे करने के बदले अभिभावक उनकी फरमाइश पूरी करने का वादा करते हैं, लेकिन बाद में टाल देते हैं। ऐसे में बच्चे का आप पर

समझाएं

बच्चों को होमवर्क की अहमियत समझाना जरूरी है। कई अभिभावक बच्चों का होमवर्क खुद कर देते हैं। ऐसा न करें, बच्चे को उसकी जिम्मेदारी समझाएं। धीरे-धीरे उनमें होमवर्क समय पर करने की आदत पड़ेगी। कोर्स से हट कर भी किताबें उनके लिए लाएं, जो रोचक हों। खेल-खेल में पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रतिदिन अभ्यास जरुरी

बच्चों की पढ़ाई का समय तय करें और उस समय उन्हें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। चाहे उसे स्कूल से होमवर्क मिले या न मिले, लेकिन उसके रूटीन को टूटने न दें। लिखने का प्रैक्टिस भी बहुत जरूरी है। साथ बैठे, उन्हें काम देकर रसोईघर या फोन पर बातें न करने लगें।

पढ़ाई को रोचक बनाना बहुत जरूरी है

बच्चों को समय देना बहुत जरूरी है। पढ़ाई को रोचक बनाने का प्रयास करें। जैसे अगर आप उसे बटरफ्लाई की लाइफ साइकिल के बारे में पढ़ा रही हैं, तो केवल बुक पर निर्भर न रहें, बल्कि यूट्यूब पर इससे जुड़े विडियो भी दिखाएं, रोचक जानकारियां जुटाएं, चार्ट बनाकर उनकी जानकारी बढ़ाएं।

रूटीन बनाएं, दबाव न डालें

अभिभावक बच्चों के होमवर्क के लिए परेशान हो जाते हैं, उनपर दबाव बनाते हैं। इससे बच्चों के मन में डर पैदा हो सकता है, और वे पढाई से दूर भागने लगते हैं। पढ़ने का समय तय करें और उस समय खुद को फ्री रखें।

बच्चों के लिए जरुरी है माउथ-फ्रेशनर

अगर आज मानते हैं कि माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता केवल बड़ों को होती है तो अपना विचार बदल दें। इसका कारण है कि बच्चों के भी दांत खराब हो सकते हैं इसलिए हमारी तरह ही छोटे बच्चों को भी माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता होती है पर बाजार में बिकने वाले माउथ फ्रेशनर उनके लिए नुकसानदेह हो सकते हैं क्योंकि उनमें बहुत अधिक मात्रा में रसायन होते हैं।

ऐसे में उनके लिए एक ऐसा माउथ फ्रेशनर होना चाहिए जो पूरी तरह प्राकृतिक हो और स्वाद में भी कड़वा न हो। आप चाहें तो अपने बच्चों के लिए घर पर ही माउथ फ्रेशनर तैयार कर सकती हैं। अनार के छिलकों का इस्तेमाल करके माउथ फ्रेशनर बनाया जा सकता है। ये माउथ फ्रेशनर न केवल बच्चों के लिए फायदेमंद रहेगा बल्किर बड़े भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.

अनार के छिलके में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाया जाता है, जो ओरल हेल्थ के लिए अच्छा होता है। अनार के छिलके से तैयार माउथ फ्रेशनर मुंह के अल्सर और मुंह की दुर्गंध को दूर करने का काम करता है।

अनार का एंटी-माइक्रोबायल एक्टिविटी स्ट्रेपटोकोक्स म्यूटेन बैक्टीरि?या को पनपने नहीं देता है. कैसे तैयार करें अनार के छिलके का माउथ फ्रेशनर?

अनार को काटकर उसके दानों को सफाई से निकाल लें. अनार के छिलके को धूप में सूखने के लिए रख दें।

जब छिलके पूरी तरह सूख जाएं तो उन्हें पीसकर पाउडर तैयार कर लें।

एक गिलास पानी में एक चम्मच इस पाउडर को मिलाकर उबालें। इसे ठंडा होने दें। जब ये घोल ठंडा हो जाए तो इस छान लें।

इस तरल को किसी जार या शीशी में भरकर रख दें। आपका माउथ फ्रेशनर तैयार है. बच्चा जब भी कुछ खाए तो उसे माउथ फ्रेशनर से मुंह साफ करने की आदत डालें। ऐसा करने से दांतों में कैविटी की समस्या भी नहीं होगी।

समय से पहले युवा होते किशोरों में घट रही सीखने की क्षमता

समय से पहले युवा होने वाले किशोरों में सीखने की क्षमता कम होती है। आजकल जिस प्रकार मिलावट हो रही है और खानपान में रसायनों का प्रयोग बढ़ राह है उससे बच्चे समय से पहले किशोर हो रहे हैं। हाल में हुए एक ताजा अध्ययन के अनुसार युवावस्था के दौरान प्यूबर्टी (यौवन से संबंधित) हॉर्मोन सीखने की क्षमता को बाधित करते हैं।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस तरह का बदलाव ये हॉर्मोन मस्तिष्क के एक खास हिस्से को प्रभावित करते हैं।

बार्कले स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में एसोसिएट प्रोफेसर व अध्ययन की मुख्य लेखक लिंडा विलब्रेख्त ने कहा,हमने पाया है कि यौवन से संबंधित हॉर्मोन मस्तिष्क के फ्रंटल कॉर्टेक्स के लिए एक लिंक की तरह काम करता है, जो सीखने की क्षमता में बाधा पैदा करता है।

विलब्रेख्त ने कहा, आधुनिक शहरी परिवेश में लड़कियां तनाव और मोटापे की समस्या के कारण समय से पहले बड़ी हो रही हैं, जो स्कूलों में उनके खराब प्रदर्शन और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा है।

जानवरों में जब प्यूबर्टी से संबंधित हॉर्मोन इंजेक्ट किया गया, तो शोधकर्ताओं ने उनके फ्रंटल कॉर्टेक्स के तंत्रिका संचार में महत्वपूर्ण बदलाव देखा। ये बदलाव फ्रंटल मस्तिष्क में हुए, जो सीखने, ध्यान देने तथा स्वभाव के नियंत्रण से जुड़ा है।

अध्ययन का नेतृत्व करने वाले लेखक ने कहा, हमारी जानकारी में यह पहला अध्ययन है, जो यह दर्शाने में कामयाब हुआ है कि यौवन से संबंधित हॉर्मोन कॉर्टेक्स के तंत्रिका संचार में बदलाव लाते हैं।

बच्चों को नुकसान पहुंचाने वाले उत्पाद न लें

घर में छोटे बच्चे हो तो हर सदस्य का ध्यान उसकी तरफ ही रहता है। बच्चे के लिए घर में कई तरह के खिलौने भी लाए जाते हैं। उसके लिए साइकिल,वॉकर,छोटे-छोटे खिलौने ला कर रख दिये जाते हैं। कई बार बच्चे के प्यार में जाने-अनजाने अभिभावक कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं,जिससे बच्चे की सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। आपके घर में भी छोटा बच्चा है। तो इन बातों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। आपके लिए जानना जरूरी है कि कौन से बच्चों के उत्पाद नुकसान पहुंचा रहे हैं।

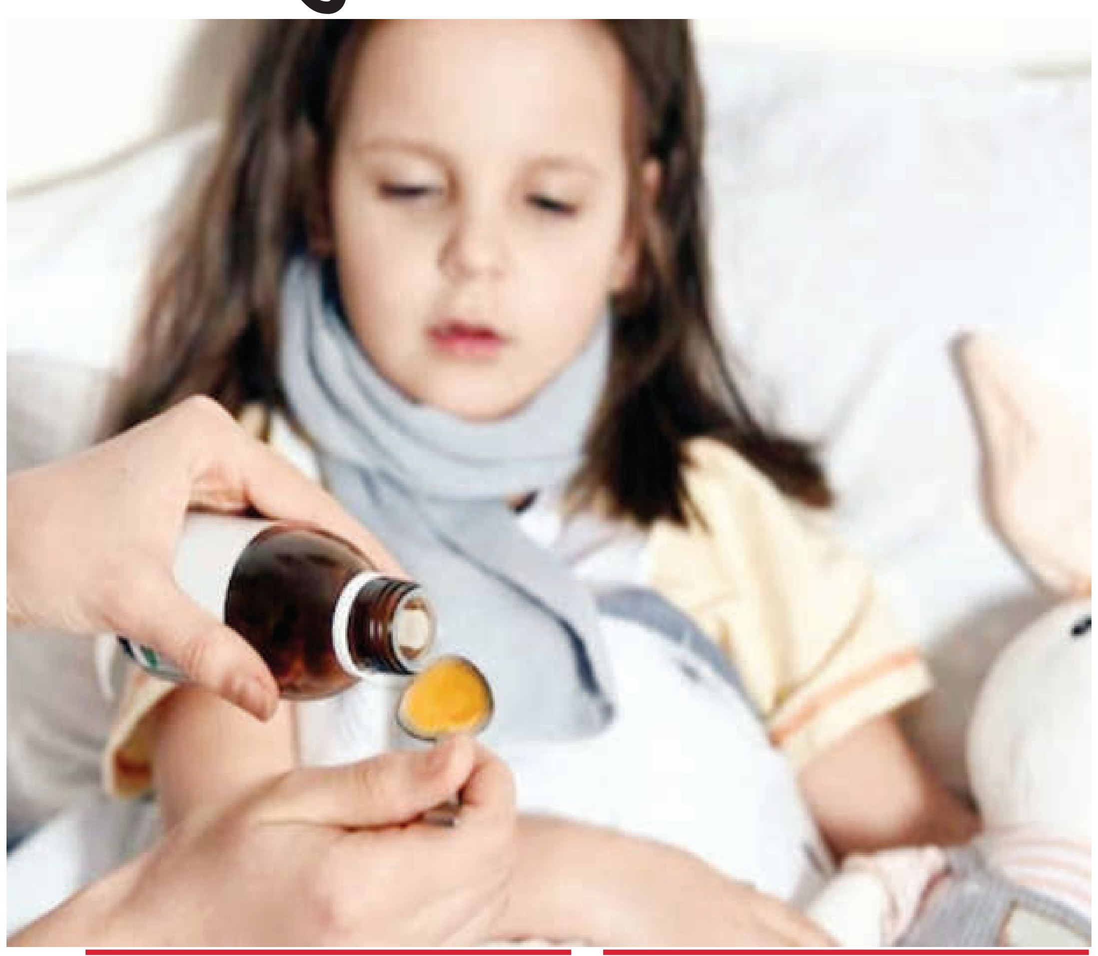

टीथर

बच्चे रंग-बिरंगे खिलौने देखकर बहुत खुश होते हैं और हर चीज को मुंह में डालते हैं। आप शायद इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इस खिलौने से बच्चे को संक्रमण होने का डर रहता है। बच्चे को यह खिलौने देने से पहले इस पर धूल मिट्टी के कण पड़े होते हैं। जिसे बहुत से लोग बार-बार साफ नहीं करते और कई बार तो बडे लोगों के हाथ के कीटाणु भी इस पर लग जाते हैं। जिससे बच्चे को उल्टी, पेटदर्द, दस्त जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

वाकर

बच्चा जल्दी चलना सीख लें इसलिए ज्यादातर लोग बच्चे को वॉकर लाकर दे देते हैं। माना जाता है कि इसमें बैठकर वह जल्दी चलना सीख जाते हैं और मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं। एक शोध में यह बात सामने आई है कि इससे बच्चे को खुद का बैलेंस बनाने में परेशानी होने लगती है। वह डर-डर कर जमीन पर अपने पांव रखता है।

दूध की बोतल

छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही सही आहार है। कुछ कामकाजी औरतें बच्चे बोतल से दूध पिलाती हैं। इससे बच्चे के पेट में हवा भर जाती है,जिससे उसे पेट गैस की परेशानी हो सकती है। अगर बोतल में दूध पिला रहे हैं तो साफ-सफाई का भी बहुत ध्यान रखने की जरूरत है। दूध पिलाने से पहले बोतल को जरूर उबाल लें।

संक्षिप्त समाचार

भारत की अनाहत सिंह ने दूसरे दौर में जगह बनाई

न्यूयॉर्क। पीएसए प्लैटिनम इवेंट, स्प्रॉट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस में भारत की अनाहत सिंह ने इंग्लैंड की लूसी टुरमेल को हराकर दूसरे राउंड में पहुंच गए है। उनकी जीत में दमदार बेसलाइन गेम और निर्णायक फोरहैंड शॉट्स का बड़ा योगदान रहा। अनाहत का अगला मुकाबला जापान की छठी सीड सतोमी वतनबे से होगा। अनाहत के प्रदर्शन ने उनकी लगातार मेहनत और अनुभव को दिखाया है। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में बर्मिंघम यूनिवर्सिटी में हुए ब्रिटिश जूनियर ओपन में महिलाओं के अंडर-19 फाइनल में शानदार खेल दिखाया था। फ्रांस की दूसरी सीड लॉरेन बाल्टायान से उन्हें हार मिली थी, जो उनके नौवें बीजेओ फाइनल में था। सेमीफाइनल में उन्होंने मिस्र की मलिका एल कराक्सी को सिर्फ 28 मिनट में हराया था। दिल्ली की इस युवा खिलाड़ी ने 2025 में पीएसए टूर में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

तीसरे टी20 में अजेय बढ़त पर टीम इंडिया की नजर

गुवाहाटी। पहले दोनों मुकाबले आसानी से जीतकर आत्मविश्वास से लबरेज भारतीय टीम रविवार को यहां होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी। इस मैच में जहां भारत की नजर सीरीज पर कब्जा जमाने पर होगी, वहीं सबसे ज्यादा चर्चा संजू सैमसन के प्रदर्शन को लेकर है, क्योंकि पिछले मैच में ईशान किशन की विस्फोटक वापसी ने टीम संयोजन को लेकर बहस तेज कर दी है। किशन की शानदार पारी के बाद यह सवाल फिर से खड़ा हो गया है कि अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के लिए टीम प्रबंधन किस पर भरोसा जताएगा।

लीग क्रिकेट में जलवा बरकरार रखेंगे डेविड वॉर्नर

सिडनी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर फिलहाल लीग क्रिकेट में अपना दबदबा बनाए रखने के इरादे से मैदान पर उतरते रहेंगे। बिग बैश लीग (बीबीएल) के मौजूदा सीजन में सिडनी थंडर के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले वॉर्नर ने अगले सीजन के लिए भी टीम के साथ करार बढ़ा लिया है। सिडनी थंडर ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की, जिससे फैंस में एक बार फिर उत्साह देखने को मिला। 39 वर्षीय डेविड वॉर्नर ने एक साल का करार बढ़ने पर खुशी जताते हुए कहा कि वह थंडर के साथ एक और सीजन खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि टीम के लिए यह सीजन आसान नहीं रहा और प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा।

न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया, आयुष म्हात्रे की फिफ्टी, अंबरीश को 4 विकेट

अंडर-19 वर्ल्डकप में भारत की लगातार तीसरी जीत

बुलावायो ■ एजेंसी

भारत ने जिम्बाब्वे के बुलावायो में चल रहे अंडर-19 वर्ल्ड कप में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। टीम ने शनिवार को न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। भारतीय टीम ने 130 रन का संशोधित लक्ष्य 13.3 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया।

कप्तान आयुष म्हात्रे ने 27 बॉल पर 53 रन की पारी खेली। उनकी पारी में 2 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। आयुष के अलावा, वैभव सूर्यवंशी ने 23 बॉल पर 40 रन बनाए। उन्होंने 2 चौके और 3 छक्के लगाए। दोनों में फिफ्टी पार्टनरशिप हुई।

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 36.2 ओवर में 135 रन पर ऑलआउट हो गई। आरएस अंबरीश ने 4 विकेट झटके। जबकि हेनिल पटेल को 3 विकेट मिले। न्यूजीलैंड से कैलम सैमसन ने नाबाद 37 और सेल्विन संजय ने 28 रन की पारियां खेलीं। दोनों ने 8वें विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की।

बारिश के कारण 37-37 ओवर का मैच न्यूजीलैंड ने भारत को 136 रन का टारगेट दिया था, जिसे रिवाइज्ड करके 130 रन कर दिया गया। क्योंकि, बारिश के कारण मैच देरी से शुरू हुआ।

फिर इसे रोकना भी पड़ा था।

इंडिया के मैच विनर्स: वैभव ने सरफराज खान को पीछे छोड़ा वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की सूची में सरफराज खान को पीछे छोड़ दिया है। वैभव अब छठे नंबर पर हैं। वैभव के नाम 1087 रन हो गए हैं। जबकि सरफराज के नाम 1080 रन हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग-XI: भारत- आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, एरोन जॉर्ज, विहान मल्होत्रा, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, मोहम्मद इनान, हेनिल पटेल, खिलन पटेल।

न्यूजीलैंड- टॉम जोन्स (कप्तान), आर्यन मान, ह्यूगो बोग, स्नेहित रेड्डी, मार्को विलियम एल्पे (विकेटकीपर), जैकब कॉटर, जसकरन संधू, कैलम सैमसन, फ्लिन मोरे, सेल्विन संजय, मेसन क्लार्क।

वेदांत त्रिवेदी के बल्ले से निकली जीत: 14वें ओवर की तीसरी बॉल पर वेदांत त्रिवेदी ने एक रन लेकर भारत को 7 विकेट की जीत दिला दी।

आयुष म्हात्रे फिफ्टी बनाकर आउट: 10वें ओवर में भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे फिफ्टी बनाकर आउट हो गए। उन्होंने सेल्विन संजय की शुरुआती दो बॉल पर दो छक्के लगाकर फिफ्टी पूरी की। फिर 5वीं बॉल पर फ्लिन मोरे को कैच थमा बैठे। उन्होंने 53 रन बनाए।

वैभव सूर्यवंशी 40 रन बनाकर आउट: 9वें ओवर की पहली बॉल पर भारत ने दूसरा विकेट गंवाया। यहां पर वैभव सूर्यवंशी 40 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जसकरन संधू ने मेसन क्लार्क के हाथों कैच कराया। इसी के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक हुई।

सूर्यवंशी और म्हात्रे में फिफ्टी पार्टनरशिप: 7वें ओवर में वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे ने दूसरे विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी कर ली। जसकरन संधू की आखिरी बॉल पर आयुष म्हात्रे ने छक्का लगाकर साझेदारी को 50 पार पहुंचाया।

भारत का स्कोर 50 पार, म्हात्रे ने 2 छक्के लगाए: छठे ओवर में भारतीय टीम ने 50 रन का आंकड़ा पार कर लिया। कप्तान आयुष म्हात्रे ने मेसन क्लार्क के ओवर में दो छक्के लगाकर टीम स्कोर 50 पार पहुंचा दिया।

आईटीएफ जे-60 जूनियर टेनिस, मयंक की 'मैराथन' जीत, कनिष्क और किशोर मुख्य ड्रॉ के करीब

इंदौर। टेनिस प्रेमियों के लिए शनिवार का दिन अंतरराष्ट्रीय रोमांच से भरा रहा। मध्यप्रदेश टेनिस एसोसिएशन द्वारा आयोजित एवं यलो डायमंड द्वारा प्रायोजित 'इंटरनेशनल वर्ल्ड टेनिस टूर जूनियर आईटीएफ जे-60 (ग्रेड-4)' चैंपियनशिप का इंदौर टेनिस क्लब के सिंथेटिक कोर्ट पर सनसनीखेज आगाज़ हुआ। क्वालीफाइंग राउंड के पहले दिन स्थानीय खिलाड़ियों ने न केवल अपना दमखम दिखाया, बल्कि कई शीर्ष वरीय खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता दिखाकर टूर्नामेंट में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। म.प्र. के मयंक राजन और कनिष्क खथुरिया ने अपने-अपने वर्गों में उम्दा खेल दिखाते हुए दूसरे दौर में प्रवेश किया।

मयंक की साहसी वापसी, कनिष्क की जीत: बालक वर्ग में म.प्र. के वाइल्ड कार्ड धारक मयंक राजन और वीर महाजन के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मयंक ने पहला सेट 1-6 से गंवाने के बाद जबरदस्त मानसिक शक्ति का परिचय दिया। उन्होंने दूसरा सेट 6-2 से जीतकर मैच को सुपर टाईब्रेक में खींचा और अंततः 11-9 से रोमांचक जीत दर्ज की। पांचवीं वरीयता प्राप्त कनिष्क खथुरिया ने अर्नव खंडेलवाल के विरुद्ध आक्रामक रणनीति अपनाते हुए सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से मुकाबला अपने नाम किया। वहीं, शीर्ष वरीय किशोर श्रीराम ने म.प्र. के युग जैन को 6-4, 6-2 से हराकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की।

शार्दुल और सक्षम ने किए बड़े उलटफेर: शनिवार का दिन वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। शार्दुल खवाले ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए चौथी वरीयता प्राप्त ईशान देव को 6-2, 3-6, 10-4 से हराकर बाहर कर दिया। सक्षम भंसाली ने भी आठवीं वरीय आरव गलवा को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से पराजित किया।

चंडीगढ़ ने केरल को पारी और 92 रन से हराया, दिल्ली को हरा सकता है छत्तीसगढ़

रणजी ट्रॉफी- मोहम्मद शमी को 5 विकेट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रणजी ट्रॉफी में छठे राउंड के मुकाबले खेले जा रहे हैं। शनिवार को मुकाबले के तीसरे दिन चंडीगढ़ ने पिछली रनर-अप केरल को पारी और 92 रन से हरा दिया। बंगाल के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने 5 विकेट लेकर अपनी टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया। छत्तीसगढ़ भी दिल्ली को हराने के करीब है।

ग्रुप-एः झारखंड तीसरी जीत के करीब झारखंड तीसरे दिन ही उत्तर प्रदेश को हराने के बेहद करीब पहुंच गई है। पहले पारी में 561 रन बनाने के बाद टीम ने यूपी को 176 रन पर समेट दिया। फिर दूसरी पारी में 69 रन पर उनके 7 विकेट भी गिरा दिए। झारखंड 2 मैच पहले से जीत चुकी है। विदर्भ के खिलाफ जीत के लिए आंध्र प्रदेश को 259 रन का टारगेट मिला। टीम ने 1 विकेट खोकर 93 रन भी बना लिए। केएस भरत 27 और शैख रशीद 50 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। टीम को आखिरी दिन 166 रन चाहिए। दोनों ही टीमें पॉइंट्स टेबल के

टॉप-2 पोजिशन पर है, जीतने वाली टीम नंबर-1 पर आ जाएगी।

ग्रुप-बीः कर्नाटक को हरा सकता है मध्य प्रदेश अलुर में मध्य प्रदेश ने 323 रन बनाने के बाद कर्नाटक को 191 रन पर ऑलआउट भी कर दिया। एमपी ने फिर अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट खोकर 204 रन बना लिए। हिमांशु मंत्री 89 और आर्यन पांडे 13 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। टीम 326 रन से आगे है।

महाराष्ट्र ने गोवा के खिलाफ 209 रन के सामने 350 रन बना दिए। गोवा ने फिर अपनी दूसरी पारी में 210 रन पर 6 विकेट गंवा दिए। दर्शन मिसल 52 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। गोवा अब 69 रन से आगे है। ग्रुप-बी में चंडीगढ़ ने पिछले सीजन की रनर-अप केरल को पारी और 92 रन से हरा दिया। केरल दोनों ही पारियों में 200 रन का आंकड़ा नहीं छू सकी। चंडीगढ़ ने पहली पारी में 416 रन बनाए थे। सौराष्ट्र ने भी पंजाब को 194 रन से हरा दिया। पॉइंट्स टेबल में कर्नाटक पहले और सौराष्ट्र दूसरे नंबर पर है।

ग्रुप-सीः जीत के करीब पहुंचा बंगाल ग्रुप की टॉप-2 टीमें बंगाल और सर्विसेज कल्याणी में एक-दूसरे से भिड़ रही हैं। पहले बैटिंग करते हुए बंगाल ने 519 रन बना दिए। सर्विसेज पहली पारी में 186 पर सिमट गया। टीम ने दूसरी पारी में भी 231 रन पर ही 8 विकेट गंवा दिए हैं। मोहम्मद शमी को 5 विकेट मिले। हरियाणा के खिलाफ असम ने 147 रन की बढ़त बना ली है। पहली पारी में हरियाणा ने 236 और असम ने 247 रन बना लिए। असम के 3 विकेट बाकी है, पॉइंट्स टेबल में आगे बढ़ने के लिए हरियाणा को जीत चाहिए। टीम फिलहाल 18 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर है।

खेल स्टेडियम पर स्तरीय कबड्डी एवं क्रिकेट प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्साह से लिया भाग

भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा एवं विधायक डॉक्टर प्रभु राम चौधरी ने विजेता एवं उप विजेता खिलाड़ियों को बांटे पुरस्कार

रायसेन ■ निसं

जिला मुख्यालय स्थित खेल स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव 2025 के अनुसार आयोजन 23 एवं 24 जनवरी को विधानसभा स्तरीय कबड्डी एवं क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसी क्रम में विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव के समापन अवसर पर अतिथि के तौर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा एवं विधायक डॉक्टर प्रभुराम चौधरी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियो के द्वारा विजेता एंव उप विजेता पुरूष एवं महिला खिलाड़ियों को पृरूस्कृत किया गया। अयोजित हुई प्रतियोगिता में 8 मण्डलों की टीमों ने सहभागिता की जिसमें पुरूष वर्ग में विजेता रायसेन मण्डल, उपविजेता देहगॉव एवं तृतीय स्थान पर सॉचेत मण्डल रहा। वही महिला क्रिकेट में 3 टीमों ने भाग लिया, जिसमें विजेता गैरतगंज मण्डल, उप विजेता सॉची मण्डल एवं तृतीय स्थान पर रायसेन

मण्डल रहा है। इसी तरह कबडड़ी प्रतियोगिता पुरूष वर्ग में 5 मण्डलों की टीमों ने भाग लिया, जिसमें विजेता सॉची मण्डल, उप विजेता खरबई मण्डल एवं तृतीय गैरतगंज मण्डल का रहा। इसी तरह कबड्डी महिला वर्ग में मण्डल से 7 टीमों ने भाग लिया था जिसमें विजेता सूखा करार सॉची मण्डल एवं उपविजेता सम्राट क्लब सॉची एवं तृतीय स्थान शासकीय कन्या शाला सॉची रहीं।

व्यक्तिगत पुरूस्कार में बालक वर्ग कबड्डी में जीतेन्द्र जाट मेन ऑ द टूनामेंट का पुरूस्कार एवं बेस्ट रेडर' धर्मराज एवं बेस्ट कैचर शेर सिंह रहें। इसी प्रकार महिला वर्ग कबड्डी में राधिका मेन ऑ द टूनामेंट इसके साथ ही रागिनी लावरिया बेस्ट रैडर एवं बेस्ट कैचर भूमिका लोधी रहीं। विजेता टीम 1 व 2 फरवरी 2025 को समापन अवसर लोकसभा क्षेत्र की अन्य टीमों के साथ खेलेगी।

व्यापार समाचार

बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली का दबदबा रहा

मुंबई। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक प्रभाव रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों ने बाजार की गिरावट को बढ़ावा दिया। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में हफ्ते के दौरान उतार-चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन कुल मिलाकर सप्ताह लाल निशान पर समाप्त हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को निवेशकों की सतर्कता और बिकवाली के दबाव के साथ हुई। सेंसेक्स 83,246.18 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 25,585.50 अंक पर आ गया। मंगलवार को विदेशी निवेशकों की निकासी के चलते सेंसेक्स ने 1,065.71 अंकों की भारी गिरावट दर्ज की और सप्ताह का सबसे कमजोर दिन बन गया। निफ्टी भी 353 अंक फिसलकर 25,232.50 पर बंद हुआ। बुधवार को बाजार में इंट्रा-डे दौरान सेंसेक्स 81,124.45 तक लुढ़क गया, लेकिन अंततः 81,909.63 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में भी गिरावट जारी रही और यह 25,157.50 अंक पर बंद हुआ।

राज्यों का घाटा बढ़कर जीडीपी का 3.3 फीसदी हुआ: आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यों का एकीकृत राजकोषीय घाटा बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.3 प्रतिशत हो गया है, जबकि पिछले तीन वर्षों में यह 3 प्रतिशत पर था। आरबीआई ने यह आंकड़ा सभी राज्यों द्वारा पेश किए गए बजट का विश्लेषण करने के बाद जारी किया। घाटे में बढ़ोतरी का मुख्य कारण केंद्र सरकार की विशेष सहायता योजना के तहत राज्यों द्वारा लिए गए 50 वर्षीय ब्याज-मुक्त ऋण हैं। यह ऋण राज्यों की सामान्य शुद्ध ऋण सीमा से अतिरिक्त है।

वीजा भारत में फ्लेक्स कार्ड लाने की कर रही तैयारी

नई दिल्ली। वीजा जल्द ही भारत में अपने नए फ्लेक्सिबल क्रेडेंशियल कार्ड को पेश करने की तैयारी कर रही है। यह कार्ड क्रेडिट और डेबिट दोनों के लिए एक ही 16 अंकों वाले क्रेडेंशियल का उपयोग करेगा। इससे कार्डधारकों को अलग-अलग कार्ड रखने की जरूरत नहीं होगी और भुगतान आसान होगा। वीजा फ्लेक्स का उपयोग लेनदेन की राशि, मर्चेंट के प्रकार और बैंक की जोखिम क्षमता के आधार पर किया जा सकेगा। छोटे खर्चों के लिए कार्ड को डेबिट के रूप में और बड़े खर्चों के लिए क्रेडिट के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा।

टैरिफ संकट के बीच केंद्र का बड़ा दांव

विनिर्माण बढ़ाकर 2035 तक निर्यात तीन गुना करने का लक्ष्य

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वैश्विक टैरिफ संकट के बीच केंद्र सरकार 15 प्रमुख क्षेत्रों में विनिर्माण बढ़ाकर 2035 तक निर्यात तीन गुना करने की योजना बना रही है। लालफीताशाही घटाने और हब विकसित करने पर जोर है।

वैश्विक अनिश्चितता और उच्च टैरिफ संकट के बीच भारत भारी खर्च करने के बजाय रणनीतिक बदलावों के जरिये विनिर्माण को बढ़ावा देकर 2035 तक देश के निर्यात को तीन गुना करने की योजना बना रहा है। दो सरकारी अधिकारियों ने बताया, इसके लिए प्रधानमंत्री की तीसरी ऐसी कोशिश में देश 15 क्षेत्रों में विनिर्माण को प्राथमिकता दे रहा है, जिसमें हाई-एंड सेमीकंडक्टर, मेटल और श्रम आधारित लेदर इंडस्ट्री शामिल हैं। इसका मकसद भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ाना

और माल निर्यात को सालाना 1.3 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचाना है।

दरअसल, मोदी सरकार जीडीपी में विनिर्माण का हिस्सा दोगुना कर 25 फीसदी करने में दो बार नाकाम रही है। पहला...2014 में मेक इन इंडिया अभियान के जरिये और दूसरा... 2020 में 23 अरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज के साथ। नीति निर्माताओं में शामिल एक अधिकारी ने बताया, पिछले कुछ वर्षों में सरकार की कई पहलों के बावजूद विनिर्माण में धीमी वृद्धि देखने को मिली है। अब तीसरी कोशिश में बदलाव लाने के लिए एक साहसिक, फोकस्ड और एकजुट रणनीति की जरूरत है।

लालफीताशाही कम करने पर जोर: अधिकारियों ने बताया, सरकार ने योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए एक पैनल बनाया है, जिसका फोकस बड़ी परियोजनाओं के लिए तेज नियामकीय मंजूरी, जमीन और सस्ता फाइनेंस उपलब्ध कराने पर होगा। इस पैनल की अध्यक्षता एक मंत्री करेंगे, जिसमें कैबिनेट सचिव सहित नौकरशाह भी शामिल होंगे। विनिर्माण हब की पहचान मौजूदा इन्फ्रा, भौगोलिक फायदों और बंदरगाहों से नजदीकी के आधार पर की गई है। यह पैनल विनिर्माण हब के लिए सस्ती बिजली आपूर्ति कराने को राज्यों के साथ काम करेगा।

विनिर्माण हब पर खर्च होंगे 100 अरब रुपये: अधिकारियों ने बताया, सरकार लक्षित क्षेत्रों में करीब 30 विनिर्माण हब के लिए बुनियादी ढांचा बनाने पर लगभग 100 अरब रुपये खर्च करेगी। वहीं, चिप्स और एनर्जी स्टोरेज जैसे एडवांस्ड एरिया के लिए 21.8 करोड़ डॉलर का ग्रांट देगी।

भारत पहुंचीं यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर

फ्री ट्रेड और डिफेंस डील पर लगेगी मुहर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष भारत पहुंच गईं हैं। वह गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि होंगीं। 27 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) और डिफेंस पैक्ट पर मुहर लगने की उम्मीद है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के रिश्तों में एक नया और बड़ा अध्याय जुड़ने जा रहा है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन अपनी चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंच गईं हैं। उनके साथ-साथ यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा भी रविवार को दिल्ली पहुंच रहे हैं।

यह यात्रा भारत के लिए दो वजहों से खास है- पहला, ये दोनों यूरोपीय दिग्गज 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे, और दूसरा, 27 जनवरी को होने वाली बैठक में कई बड़े व्यापारिक समझौतों पर मुहर लग सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय नेताओं के बीच होने वाली इस शिखर वार्ता में सबसे बड़ा आकर्षण 'मुक्त व्यापार समझौता' है। सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय से अटके इस समझौते के पूरा होने की घोषणा इस बैठक में की जा सकती है।

इसके अलावा दो और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समझौतों की उम्मीद है: रक्षा साझेदारी: दोनों पक्ष एक रणनीतिक रक्षा समझौते को अंतिम रूप देंगे।

2. नौकरी और मोबिलिटी: भारतीय पेशेवरों के लिए

यूरोप में काम करना और आना-जाना आसान बनाने के लिए एक 'मोबिलिटी फ्रेमवर्क' तैयार किया जाएगा।

क्यों महत्वपूर्ण है यह डील?: यूरोपीय संघ एक ब्लॉक के रूप में भारत का सबसे बड़ा 'गुड्स ट्रेडिंग पार्टनर' (सामान का व्यापार करने वाला साझेदार) है।

व्यापार के आंकड़े: वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और ईयू के बीच कुल 136 अरब डॉलर (करीब 11 लाख करोड़ रुपये) का व्यापार हुआ।

भारत का फायदा: अच्छी बात यह है कि भारत ने इसमें 76 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि आयात 60 अरब डॉलर रहा।

वैश्विक संकेत यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका में ट्रंप प्रशासन की आर्थिक और सुरक्षा नीतियों के कारण वैश्विक स्तर पर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। ऐसे में दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र-भारत और यूरोपीय संघ-आपसी विश्वास और साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने हवाई अड्डे पर उर्सुला वॉन डेर लेन का स्वागत किया।

युवाओं में बढ़ रहा हिप आर्थराइटिस, हिप प्रिज़र्वेशन तकनीक से टल सकेगा रिप्लेसमेंट

इंदौर ■ निसं

ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित तीसरे नेशनल हिप कोर्स और इंडोकॉन 2026 के दूसरे दिन देश-विदेश के हड्डी रोग विशेषज्ञों ने हिप जॉइंट की जटिलताओं और उनके आधुनिक उपचार पर मंथन किया। वैज्ञानिक सत्रों का मुख्य केंद्र हिप प्रिज़र्वेशन (कूल्हा संरक्षण) रहा, जिसे भविष्य में कूल्हा प्रत्यारोपण (रिप्लेसमेंट) की आवश्यकता को कम करने वाली क्रांतिकारी तकनीक माना जा रहा है। कॉन्फ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. हेमंत मंडोवरा के नेतृत्व में देशभर के युवा सर्जनों को आधुनिक

तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

नागपुर के वरिष्ठ सर्जन डॉ. सुश्रुत बाभुलकर ने चौंकाने वाले तथ्य साझा करते हुए बताया कि पोस्ट-कोविड काल में हिप आर्थराइटिस के मामलों में 25 से 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बिना किसी चोट के भी युवा मरीज कूल्हे की समस्याओं से जूझ रहे हैं। वहीं, गुजरात से आए विशेषज्ञ डॉ. कश्यप ने आगाह किया कि दवाओं के ओवरडोज़ और अत्यधिक अल्कोहल के सेवन से कूल्हे के जोड़ की रक्त-आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे जोड़ की प्राकृतिक संरचना नष्ट हो रही है।

हिप प्रिज़र्वेशन : युवाओं के लिए वरदान: इंग्लैंड से आए डॉ. अजय मालवीया ने बताया कि हिप डिस्प्लेशिया (बॉल-एंड-सॉकेट जॉइंट का बेमेल होना) युवाओं में दर्द का बड़ा कारण है। उन्होंने कहा कि यदि प्रारंभिक चरण में संरचनात्मक गड़बड़ी का पता चल जाए, तो हिप प्रिज़र्वेशन तकनीक से जोड़ को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है। यह तकनीक विशेष रूप से सक्रिय और युवा मरीजों के लिए प्रभावी है, क्योंकि यह बड़े ऑपरेशनों की ज़रूरत को काफी हद तक टाल देती है।

स्किल लैब में मिला व्यावहारिक प्रशिक्षण: दिन की शुरुआत इन्फेक्शन मॉड्यूल से हुई, जिसमें फ्रैक्चर और कृत्रिम

कार्यालय वन मण्डल अधिकारी सामान्य वन मण्डल रायसेन (म.प्र.)

जिला एवं सत्र न्यायालय के सामने सांची रोड रायसेन (म.प्र.)

: जाहिर सूचना/विज्ञाप्ति सूचना :

सर्वसधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 05.11.2025 को उप वन मण्डल अधिकारी सामान्य रायसेन द्वारा सर्च वांरट (समस पत्र) कमांक 12 दिनांक 04.11.2025 के पालन में वन परिक्षेत्र अधिकारी बेगमगंज का वन स्टाफ, राजस्व विभाग का स्टाफ एवं पुलिस बल बेगमगंज के साथ संयुक्त रूप से वार्ड कमांक 08 मकबरा मोहल्ला स्थित श्री शकील अहमद आत्मज श्री कदीर निवासी बेगमगंज (मेसर्स सुपर ट्रेडर्स) फर्म पर जप्ती में अवैध वनोपज पाये जाने के फलस्वरूप वन अपराध प्रकरण कमांक 46322/01 दिनांक 05.11.2025 जारी किया गया है। जिसमें एक Qualis 24D FS जिसका पंजीयन कमांक MP04T4743 चैचिस कमांक LF5041028757 इंजन क्रमांक - 9673869 भी जप्त किया गया है। आपका विनिर्दिष्ट वनोपज ईमारती लकड़ी के विनिर्माता /व्यापारी/उपभोक्ता के रूप में पंजीयन आदेश क्रमांक / राजस्व/70 दि. 18.11.2025 द्वारा निरस्त किया गया है। जिसके कारण आपके द्वारा सीएम हेल्पलाईन शिकायत एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भी शिकायत गई है। उक्त प्रकरण के संबंध में आपको उप वन मण्डल अधिकारी सामान्य रायसेन के समक्ष अपना बचाव पक्ष रखने हेतु विज्ञाप्ति के माध्यम से उपस्थित होने हेतु बुलाया गया था, किन्तु आप अपना पक्ष रखने हेतु उप वन मण्डल कार्यालय में उपस्थित नहीं हुये। उक्त प्रकरण के संबंध में दिनांक 27.01.2026 को वन मण्डल कार्यालय सामान्य रायसेन में पेशी नियत की गई है। आप कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर प्राधिकृत अधिकारी एवं वन मण्डलाधिकारी सामान्य वन मण्डल रायसेन के समक्ष अपना पक्ष रखने हेतु उपस्थित होने का कष्ट करें।

वन मण्डलाधिकारी
सामान्य वन मण्डल रायसेन

G24857/25

माँ नर्मदा को धन्यता प्रकट करने मांगरोल घाट पर "निर्झरणी महोत्सव" का आयोजन आज

लोकगायन, नृत्यनाटिका एवं भक्ति गायन से प्रस्तुत करेंगे महानता

रायसेन। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन रायसेन के सहयोग से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नर्मदा जयंती के अवसर पर पवित्र माँ नर्मदा को धन्यता प्रकट करने के उद्देश्य से ''निर्झरणी महोत्सव'' का आयोजन किया जा रहा है। संचालक, संस्कृति एनपी नामदेव ने बताया कि नर्मदा केवल नदी नहीं बल्कि आस्था, संस्कृति और सभ्यता की शाश्वत धरोहर है। उनके किनारों पर संस्कृतियाँ और परम्पराएं बसती हैं। आने वाली पीढ़ी अपनी विरासत और संस्कृति के महत्व को जान और समझ सके, इसी विचार के साथ संस्कृति विभाग द्वारा निर्झरणी महोत्सव का आयोजन मध्यप्रदेश में माँ नर्मदा के 11 पवित्र घाटों पर किया जा रहा है। निर्झरणी महोत्सव के अंतर्गत 25 जनवरी 2026 को सायं 6 बजे से रायसेन जिले में मांगरोल घाट पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ संयोजित की जा रही हैं। इसके अंतर्गत गयाप्रसाद प्रजापति एवं साथी रायसेन द्वारा बुन्देली लोकगायन की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके बाद सुश्री नुपुर माहौर एवं साथी भोपाल द्वारा नर्मदा केन्द्रित नृत्यनाटिका की प्रस्तुति दी जाएगी। अंतिम प्रस्तुति भक्ति गायन की होगी, जिसे पवन तिवारी एवं साथी टीकमगढ़ द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर फुल ड्रेस रिहर्सल हुई आयोजित

जिले भर में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस समारोह

रायसेन ■ निसं

जिले भर में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह पूरे हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर रायसेन में जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पंवार के मुख्य आतिथ्य में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान पर सम्पन्न होगा। शनिवार को कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा तथा एसपी आशुतोष गुप्ता की उपस्थिति में गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। इस दौरान गणतंत्र दिवस समारोह की प्रारंभिक तैयारियों से लेकर अंतिम चरणों तक होने वाले सम्पूर्ण कार्यक्रमों की रूपरेखा देखी तथा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। रिहर्सल के दौरान सहायक कलेक्टर एवं बेगमगंज जनपद सीईओ श्री कुलदीप पटेल ने मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा परेड की सलामी ली। इस अवसर पर अपर कलेक्टर मनोज उपाध्याय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार, एसडीएम मनीष शर्मा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

विदिशा की पुलिस लाइन में ADM ने ली परेड की सलामी; 26 को प्रभारी मंत्री लखन पटेल फहराएंगे तिरंगा: विदिशा में 26 जनवरी को होने वाले जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां अंतिम दौर में हैं। शनिवार को पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड में समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल (अंतिम अभ्यास) की गई। अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। उन्होंने मार्च पास्ट और वहां मौजूद व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

15 प्लाटून ने किया मार्च पास्ट, गूंजे देशभक्ति गीत: फुल ड्रेस रिहर्सल में कुल 15 प्लाटून शामिल हुईं। इनमें जिला पुलिस बल, महिला पुलिस बल, होमगार्ड, एसएफ, डीएफ, शौर्य दल, एनसीसी (सीनियर-जूनियर) और स्काउट-गाइड के दल प्रमुख थे। सभी ने अनुशासित मार्च पास्ट किया। इसके अलावा, विभिन्न सरकारी और निजी स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत शिविर आयोजित, एसडीएम ने किया समस्याओं का समाधान

रायसेन ■ निसं

जिले की सांची जनपद पंचायत के दीवानगंज में संकल्प से समाधान अभियान के तहत शिविर आयोजित किया गया। जिसमें एसडीएम मनीष शर्मा सहित अनेक विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में 256 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से अधिकांश आवेदनों का मौके पर ही त्वरित समाधान किया गया। शेष आवेदनों को एक सप्ताह में निराकृत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। उल्लेखनीय है कि जनसामान्य को शासन की जन और हितग्राहीमूलक योजनाओं का सुगमता से लाभ उपलब्ध कराने और आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु यह अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में शिविर आयोजित कर आमजन के आवेदनों का त्वरित समाधान किया जा रहा है।

नागरिकों के लिए आज दोपहर 2 बजे से खुलेगा लोकभवन

रायसेन। राज्यपाल मंगुभाई पटेल के निर्देशानुसार 25 से 27 जनवरी 2026 तक लोकभवन आमजन के लिए खोला जा रहा है। इन तीनों दिन नागरिक लोकभवन की ऐतिहासिकता, प्राकृतिक सौंदर्य एवं विशेष सजावट को करीब से देख सकेंगे। केन्द्रीय संचार ब्यूरो और मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग द्वारा 'राजभवन से लोकभवन' विषय पर आधारित प्रदर्शनी विशेष आकर्षण रहेगी।

राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने समस्त नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे लोकभवन का भ्रमण जरूर करे। लोकतांत्रिक मूल्यों को निकट से अनुभव कर संविधान के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना को और अधिक सुदृढ़ करे। यह आयोजन नागरिकों और शासन के बीच संवाद, सहभागिता और विश्वास को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

प्रवेश गेट क्रमांक- 1 से और निकास गेट क्रमांक- 4 से: राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. कोठारी ने बताया कि आमजन लोकभवन का भ्रमण 25 जनवरी से 27 जनवरी 2026 तक कर सकेंगे। दिनांक 25 और 27 जनवरी को दोपहर 2 बजे से शाम 8 बजे तक प्रवेश का समय निर्धारित है। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2026 के दिन, लोकभवन भ्रमण का समय प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा। नागरिकों के लिए कुशाभाऊ ठाकरे सभागार परिसर में वाहन पार्किंग होगी। आमजन लोकभवन में गेट क्रमांक-1 से प्रवेश और गेट क्रमांक- 4 से निकास करेंगे।

भ्रमण का इस प्रकार रहेगा रूट: राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. कोठारी ने बताया कि लोकभवन भ्रमण के लिए आने वाले आमजन का रूट निर्धारित किया गया है। गेट क्रमांक-1 से प्रवेश के बाद नागरिक लोकभवन सचिवालय एवं व्ही.आई.पी. रोड होते हुए कांच गेट से लोकभवन परिसर में प्रवेश करेंगे। स्वर्ण जयंती सभागार (बैंक्वेट हॉल), ऐतिहासिक दरबार हॉल, तोप एवं ध्वज वंदन स्थल का अवलोकन करेंगे।

दिल्ली गणतंत्र दिवस समारोह में जाने वाले उन्नतशील कृषकों का स्वागत कर भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा ने उन्हें रवाना किया

रायसेन ■ निसं

हर बार की भांति इस बार भी देश की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह जिसमें हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा लाल किले से ध्वजा रोहणकर देश के लिए संदेश दिया जाता है ऐसे कार्यक्रम में भाग लेने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए उन्नतशील कृषकों का भाजपा जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा द्वारा पुष्प माला से स्वागत कर उन्हें शुभ यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए रवाना किया। उल्लेखनीय है कि रायसेन विदिशा संसदीय क्षेत्र से कृषकों को गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस दोनों ही राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर विधानसभा वार प्रत्येक मंडल से कृषकों की चयन सूची बनाकर उन्हें नई दिल्ली में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में भेजा जाता है।

इस प्रकार की अनुकरणीय पहल केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रारंभ कराई गई है जिसका क्षेत्र के नागरिकों ने स्वागत किया है। नई दिल्ली में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में क्षेत्र के दर्जनों कृषक प्रतिनिधि इस गरिमामय समारोह के साक्षी बनेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष शर्मा ने दिल्ली जाने वाले उन्नत कृषक प्रतिनिधियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं दी।

निर्माण कार्यों में नियमों का उल्लंघन तथा अनियमितता मिलने पर पंचायत सचिव निलंबित

सरपंच, उपयंत्री, सहायक यंत्री तथा ग्राम रोजगार सहायक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

रायसेन, निप्र। जिले की बेगमगंज जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत शाहपुर सुल्तानपुर के जलगंगा संवर्धन के खेत तालाब एवं सीसी रोड निर्माण की शिकायत प्राप्त होने पर प्रभारी जिला पंचायत सीईओ मनोज उपाध्याय द्वारा जनपद स्तरीय जांच दल गठित किया जाकर जांच हेतु आदेश दिए गए थे। जांच दल द्वारा ग्राम पंचायत शाहपुर सुल्तानपुर में उपस्थित होकर मौके पर निरीक्षण किया गया तथा ग्राम पंचायत के अभिलेखों का निरीक्षण किया जाकर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया! जिसमें निर्माण कार्यों की राशि अग्रिम रूप से आहरित किए जाकर बाद में निर्माण कराया जाना, नियमों का उल्लंघन किए जाना तथा लापरवाही बरती जाना पाया गया है। जिला पंचायत सीईओ श्री उपाध्याय द्वारा ग्राम पंचायत शाहपुर सुल्तानपुर के सचिव जयकुमार जैन को अपने पदीय दायित्वों का दुरूपयोग एवं शासकीय कार्यों में लापरवाही बरतने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में श्री जयकुमार जैन का मुख्यालय कार्यालय जनपद पंचायत बेगमगंज नियत किया गया है तथा नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत शाहपुर सुल्तानपुर की सरपंच श्रीमती शोभारानी, उपयंत्री जनपद पंचायत बेगमगंज मनोज राय, सहायक यंत्री अभिषेक पवार तथा ग्राम रोजगार सहायक सुश्री दीपिका तिवारी को कारण बताओ नोटिस किया जाकर 30 जनवरी 2026 को अनिवार्य रूप से जिला पंचायत सीईओ के समक्ष में उपस्थित होकर जबाव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि में जबाव प्रस्तुत नहीं किए जाने या जबाव समाधानकारक नहीं होने पर नियमानुसार एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी।

सूने मकान से तीन लाख की चोरी

नाइट शिफ्ट में गई नर्स के घर वारदात, सीसीटीवी में तीन चोर कैद

विदिशा, निप्र। विदिशा में एक बार फिर चोरी की वारदात सामने आई है। कोतवाली थाना क्षेत्र के मुखर्जी नगर रोड स्थित माधव सिटी में चोरों ने एक सूने मकान का ताला तोड़कर लगभग तीन लाख रुपए की चोरी को अंजाम दिया। यह घटना शुक्रवार रात हुई। जानकारी के अनुसार, यह चोरी मेडिकल कॉलेज में कार्यरत नर्स नंदिता के आवास पर हुई। नंदिता नाइट शिफ्ट के लिए मेडिकल कॉलेज गई थीं। सुबह ड्यूटी पूरी कर घर लौटने पर उन्होंने देखा कि मुख्य गेट का ताला टूटा था, गेट लटका था और घर के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चोर लगभग ढाई लाख रुपए के जेवर, नगदी और एक मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए।

आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल से पता चला है कि इस वारदात में तीन चोर शामिल थे। इनमें से एक चोर बाहर निगरानी कर रहा था, जबकि दो चोर घर के अंदर घुसे थे।

पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश जारी है। इस चोरी की घटना के बाद इलाके के रहवासियों में दहशत का माहौल है, वहीं पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा करने का दावा कर रही है।

विभागों के माध्यम से क्रियान्वित स्वास्थ्य योजनाओं की अद्यतन प्रगति का जायजा लिया

विदिशा ■ निसं

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त समन्वय के माध्यम से जिले में क्रियान्वित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की अद्यतन जानकारियों का गहन जायजा लिया। समीक्षा के दौरान योजनाओं की प्रगति, लाभार्थियों तक पहुंच, क्रियान्वयन की स्थिति एवं निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति की विस्तार से जानकारी प्राप्त की गई।

कलेक्टर गुप्ता ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण पुनर्वास, एनीमिया नियंत्रण, संस्थागत प्रसव, बाल पोषण एवं महिलाओं से जुड़ी प्रमुख योजनाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समन्वय के साथ प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम छोर तक पहुंचना चाहिए, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने डेटा अद्यतन, फील्ड स्तर पर सतत निगरानी, नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने तथा कम प्रगति वाले क्षेत्रों पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य उपकेंद्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की कार्यप्रणाली पर भी ध्यान देने को कहा। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य एवं महिला-बाल विकास से जुड़ी योजनाएं मानव संसाधन विकास की आधारशिला हैं, अतः इनमें गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे नवाचार, जनसहभागिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए जिले के स्वास्थ्य सूचकांकों में निरंतर सुधार सुनिश्चित करें।

कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में संपन्न हुई इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती मोहनी शर्मा, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ मनीष निगम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रामहित कुमार समेत अन्य चिकित्सगण महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा, समस्त परियोजना अधिकारी मौजूद रहे।

रिटायर्ड स्वास्थ्य कर्मचारी को कमरे में बंद कर चोरी

गेट का ताला तोड़ा, अलमारी से चांदी के जेवर और 50 हजार रुपए निकाले

रायसेन ■ निसं

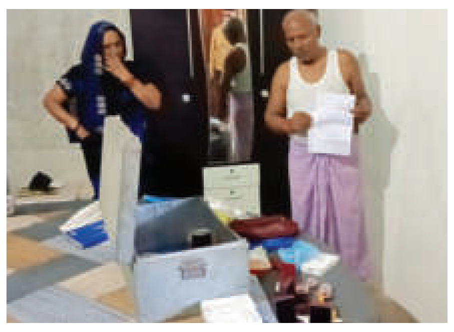

रायसेन शहर की वीआईपी कॉलोनी में बीती रात एक सेवानिवृत्त स्वास्थ्य कर्मचारी के घर में चोरी की वारदात हुई। चोरों ने कर्मचारी को उसके कमरे में अंदर से बंद कर दिया और फिर दूसरे कमरे से लगभग 50,000 रुपए के जेवर और नकदी चुरा ले गए। अज्ञात चोरों ने पहले घर के मुख्य गेट का ताला तोड़ा। इसके बाद, उन्होंने अंदर गेट का ताला और सेंट्रल लॉक भी तोड़ दिया। चोर सीढ़ियों से ऊपर गए और अलमारी से चांदी के जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गए। सेवानिवृत्त कर्मचारी मुलायम सिंह नोरिया सुबह जब नींद से जागे और दरवाजा खोलने का प्रयास किया, तो उन्हें पता चला कि उनका कमरा बाहर से बंद है। उन्होंने अपनी पत्नी को फोन कर घटना की जानकारी दी, जो नाइट ड्यूटी पर थीं। उनकी पत्नी के घर पहुंचने और दरवाजा खोलने के बाद ही चोरी का खुलासा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है। मुलायम सिंह नोरिया ने बताया कि उनके दो मकान है एक मकान में वह खुद रहते हैं जबकि पास के मकान में उनकी बेटी रहती है घटना के समय मकान सुना था।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को किया सम्मानित

बेटियों में नेतृत्व की अपार क्षमता: विधायक टंडन

विदिशा ■ निसं

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आज महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम विदिशा में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि गण, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता कांस्बा सहित अन्य अधिकारी और बालिकाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम में सबसे पहले अतिथियों द्वारा बालिकाओं का पुष्प कुछ और फूल माला से स्वागत कर उन्हें बालिका दिवस की शुभकामनाएं देकर सम्मानित किता गया।

विदिशा विधायक मुकेश टंडन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी बेटियों को राष्ट्रीय बालिका दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेटियां देवी का स्वरूप होती हैं सरस्वती, काली, दुर्गा, लक्ष्मी जी के रूप में बेटियों को पूजा जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार भी निरंतर प्रयासरत है कि बेटियां देश को ताकतवर बनाने में अपनी अहम भूमिका कैसे निभाएं, इसी दिशा में बेटियों को आगे बढ़ने का कार्य जारी है। उन्होंने बेटियों से कहा कि आपमें नेतृत्व क्षमता अपार हैं, इसलिए अपने उद्देश्य के प्रति सजक होकर आगे बढ़ें।

उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा बेटियों के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में बेटियों के विवाह हो रहे हैं, मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना अंतर्गत भी महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता राशि दी जा रही है। साथ ही साथ बेटियां देश में सम्मान की दृष्टि से जानी जाएं इसके लिए राजनीति और प्रशासनिक भर्तियों में भी आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है ताकि बेटियोऔ की हर क्षेत्र में बराबरी की भागीदारी हो। पुलिस भर्ती में भी बेटियों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है से लेकर मेधावी विद्यार्थी योजना से लेकर विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित हैं।

कार्यक्रम में 100 बालिकाएं उपस्थित रही

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर पुलिस कंट्रोल रूम विदिशा में बालिकाओं के सशक्तिकरण एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम सशक्त वाहिनी क्लास से जुड़ी बालिकाओं के साथ एक विशेष जागरूकता एवं सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा, शिक्षा एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में 100 बालिकाएं उपस्थित रहीं, जिन्होंने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

बमोरी में स्वास्थ्य सुविधाओं के हाल बेहाल

बाजार बंद कर लोगों ने जताया विरोध

रायसेन ■ निसं

कस्बा बम्होरी में जो हो रहा है, वह आंदोलन नहीं बल्कि जिम्मेदारों की लापरवाही के खिलाफ जनता का गुस्सा फूट पड़ा। बीते तीन वर्षों से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बम्होरी बिना डॉक्टर के चल रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं, पूरा कस्बा विरोध जताते हुए सड़कों पर उतर आया है।शनिवार सुबह से ही बम्होरी के नागरिकों और व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिए,बाजार पूरी तरह ठप है नागरिकों की एक ही मांग है कि तत्काल डॉक्टर की नियुक्ति और बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार किया जाए।

युवक की मौत पर खड़े हुए सवाल: 34 वर्षीय युवक अंकित राठी की इलाज के अभाव में मौत ने जिम्मेदारो की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, ग्रामीणों का साफ आरोप है कि यह मौत बीमारी से नहीं, बल्कि डॉक्टर की अनुपस्थिति और प्रशासनिक लापरवाही से हुई है।

लोग पूछ रहे हैं अगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर होता, तो क्या आज अंकित जिंदा नहीं होता तीन साल से ज्ञापन, आवेदन, चेतावनियां – लेकिन कार्रवाई शून्य ग्रामीणों ने बताया कि प्रभारी मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और क्षेत्रीय सांसद तक को बार-बार आवेदन दिए गए। अधिकारियों को मौखिक और लिखित रूप से अवगत कराया गया, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिले। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि भविष्य में कोई और जान जाती है या आंदोलन उग्र होता है, तो उसकी पूरी नैतिक और जिम्मेदारी यहां के प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की होगी।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित।ः संपादक- डी.पी.गोयल ।मो.9827054436, 9826735596. व्यवस्थापकः श्याम अग्रवाल, भोपाल कार्यालय : 4240007. फैक्सः0755-4296195 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।